



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49]
No. 49]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 19, 2000/पौष 29, 1921
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 19, 2000/PAUSA 29, 1921

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(पोत परिवहन स्कंध)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 2000

सा. का. नि. 57(अ).—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 98 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (चिकित्सीय परीक्षा) नियम, 2000 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. परिभाषाएं—(1) इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
(क) "अधिनियम" से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है;
(ख) "उपाबंध" से इन नियमों से उपाबद्ध उपाबंध अभिप्रेत है;
(ग) किसी नाविक को पहली बार काम पर लगाए जाने के पूर्व चिकित्सीय परीक्षा के प्रयोजन के लिए "चिकित्सीय परीक्षक" से नियम 4 के अधीन अनुमोदित कोई चिकित्सीय परीक्षक और पूर्व नाविक का समुद्री कार्य प्रशिक्षण या किसी पश्चातवर्ती चिकित्सीय परीक्षा के प्रयोजन के लिए कोई ऐसा चिकित्सा अधिकारी अभिप्रेत है जो भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 2 के खंड (ज) में यथा परिभाषित मान्यता प्राप्त चिकित्सीय अर्हता रखता है और यथास्थिति, प्रशिक्षण संस्थान के रूप में पदाभिहित है चिकित्सा अधिकारी के या किसी पोत परिवहन कम्पनी के स्वामी या अभिकर्ता तथा उस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित है;
(घ) "विहित मानकों" से उपाबंध "ख" में यथा उपवर्णित शारीरिक योग्यता के मानक अभिप्रेत है;
(2) इन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं वही अर्थ होंगे जो क्रम उस अधिनियम में हैं।
3. लागू होना :— ये नियम निम्नलिखित को लागू होंगे,—

(क) मास्टर, अधिकारी और रेटिंग; और

(ख) पोत के अनुपूरक भाग के रूप में उस पोत के कारबार में पोत के फलक पर किसी भी हैसियत में नियोजित या लगाए गए सीफेयरर।

4. चिकित्सीय परीक्षक का अनुमोदन—केन्द्रीय सरकार अधिनियम की धारा 98 की उपधारा (2) के प्रयोजन के लिए ऐसे पत्तों या स्थानों पर विहित प्राधिकारी के रूप में उतने जितने वह उचित समझे चिकित्सीय परीक्षकों का अनुमोदन करेगी।

5. चिकित्सीय परीक्षा—(1) प्रत्येक नाविक नाविक, नाविक रोजगार कार्यालय में अपना रजिस्ट्रीकरण कराने से पूर्व नियम 4 के अधीन अनुमोदित चिकित्सीय परीक्षक के समक्ष उपस्थित होगा और शारीरिक योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा।

(2) पोत के फलक पर लगाए जाने के समय यथास्थिति मास्टर या नाविक की परीक्षा इन नियमों के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित चिकित्सीय परीक्षक द्वारा की जाएगी।

6. चिकित्सीय परीक्षा की व्यवस्था—(1) पूर्व समुद्री कार्य प्रशिक्षण के लिए चयन कर लिए जाने पर चिकित्सीय परीक्षा के लिए, पूर्व समुद्र कार्य प्रशिक्षण संस्थान का निदेशक या भारसाधक अधिकारी, अपना यह समाधान कर लेने के पश्चात् कि आवेदक पात्र है, नाविक की विशिष्टियां अर्थात् उसका पूरा नाम, आयु, प्रवर्ग, सेवोन्मुक्ति का चालू प्रमाण पत्र और पासपोर्ट संख्यांकर उस प्रयोजन के लिए रखे गए रजिस्टर में दर्ज कराएगा और उसकी चिकित्सीय परीक्षा कराए जाने के लिए तारीख, समय और स्थान नियत करेगा तथा तदनुसार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा अभिहित किए गए चिकित्सीय परीक्षक और आवेदक को सूचित करेगा।

(2) पोत के फलक पर लगाए जाने के लिए यथास्थिति, किसी मास्टर या नाविक के चयन पर पोत का स्वामी या अभिकर्ता, नाविक की विशिष्टियां, अर्थात् नाम, आयु, प्रवर्ग, सेवोन्मुक्ति का चालू प्रमाणपत्र, पासपोर्ट संख्यांकर और चिकित्सा अधिकारी को दिलवाएगा तथा इन नियमों के अनुसार नाविक की चिकित्सीय परीक्षा के लिए तारीख, समय और स्थान नियत करेगा।

7. चिकित्सीय परीक्षा के लिए उपस्थित होना—नियम 6 में निर्दिष्ट यथास्थिति, प्रत्येक मास्टर या नाविक, स्वयं को चिकित्सीय परीक्षक के समक्ष चिकित्सीय परीक्षा के लिए नियम समय और स्थान पर और ऐसी पश्चात्वर्ती तारीखों और समयों पर, जब चिकित्सा परीक्षक द्वारा उससे अपेक्षा की जाए उपस्थित रहेगा और अपनी रजिस्ट्रीकरण पुस्तिका तथा सेवोन्मुक्ति का चालू प्रमाणपत्र, यदि धारित है, प्रस्तुत करेगा।

8. चिकित्सीय परीक्षा का संचालन—चिकित्सीय परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाला प्रत्येक मास्टर या नाविक उपाबद्ध "इ" में दी गई परीक्षा रिपोर्ट की घोषणा भरेगा और चिकित्सीय परीक्षक द्वारा उसके ऐसे परीक्षण किए जाने के अधीन होगा जो उपाबद्ध "ख" में अधिकथित विहित मानकों के अनुसार उसकी शारीरिक योग्यता अवधारित करने के लिए आवश्यक समझे जाए। चिकित्सीय परीक्षक चिकित्सीय परीक्षा के दौरान उपाबद्ध "क" में दिये गये मार्गदर्शनों द्वारा मार्गदर्शित होगा।

9. चिकित्सीय परीक्षा का अभिलेख—चिकित्सीय परीक्षक, जारी किए गए शारीरिक प्रमाणपत्र की प्रतियों सहित की गई चिकित्सीय परीक्षा का पूर्ण अभिलेख रखेगा और सप्ताह के दौरान, यथा लागू, यथा-स्थिति प्रत्येक मास्टर या नाविक की बाबत की गई चिकित्सीय परीक्षा के परिणाम दशनिवासी साप्ताहिक विवरणियां निदेशक नाविक रोजगार कार्यालय को भी भेजेगा। परीक्षा की तारीख और परिणाम भी अतिरिक्त पृष्ठांकन शीर्ष के अधीन अभिलेख पृष्ठांकित किए जाएंगे।

10. शारीरिक योग्यता का प्रमाणपत्र—(1) प्रारंभिक चिकित्सीय परीक्षा पूरी हो जाने पर चिकित्सीय परीक्षक ऐसे प्रत्येक नाविक को जो विहित मानकों को पूरा करते हैं उपाबद्ध (इ) और (च) यथा उपवर्णित शारीरिक योग्यता का एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(2) यथास्थिति, यदि कोई मास्टर या नाविक, किसी अस्थायी दोष के कारण विहित मानकों को पूरा करने में असफल रहता है जिसकी चिकित्सीय परीक्षक की राय में उपचार के पश्चात् दूर होने की संभावना है तो चिकित्सीय परीक्षक, यथास्थिति, मास्टर या नाविक को "अस्थायी रूप से अयोग्य" टिप्पणी सहित एक प्रमाणपत्र जारी करेगा, जिसमें ऐसी अयोग्यता के कारणों को उपदर्शित करेगा और यह टिप्पण लिखेगा कि नाविक को अपनी अस्थायी अयोग्यता का कारण दूर हो जाने के पश्चात् पुनः परीक्षा के लिए आना चाहिए।

(3) यथास्थिति, ऐसा कोई मास्टर या नाविक, जो शारीरिक योग्यता के विहित मानकों को पूरा नहीं करता है और जो ऐसी किसी बीमारी या शारीरिक दोष से ग्रस्त पाया जाता है जो उसकी परीक्षा करने वाले चिकित्सीय परीक्षक की राय में उसे समुद्री सेवा के लिए स्थायी रूप से अयोग्य बना देता है तो उसे स्थायी अयोग्यता का एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

11. परिणामों के अभिलेख—पूर्व समुद्री कार्य प्रशिक्षण संस्थान का निदेशक या प्रभारी अधिकारी चिकित्सीय परीक्षा के लिए उसके द्वारा निर्दिष्ट नाविक के बाबत चिकित्सीय परीक्षा के परिणामों का अभिलेख रखेगा।

12. शारीरिक योग्यता के प्रमाणपत्र की विधिमान्यता—नियम 5 के उपनियम (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए चिकित्सीय परीक्षक द्वारा जारी किया गया शारीरिक योग्यता का प्रमाणपत्र तब तक विधिमान्य रहेगा जब तक मास्टर या नाविक किसी पश्चात्वर्ती परीक्षा में स्थायी रूप से अयोग्य नहीं पाया जाता है।

13. अपील प्राधिकरण की नियुक्ति—(1) केन्द्रीय सरकार, लिखित आदेश द्वारा एक अपील प्राधिकरण का गठन कर सकेगी, जिसमें चिकित्सा विज्ञान की किसी शाखा के कम से कम 3 विशेषज्ञ होंगे।

(2) अपील प्राधिकरण के गठन के समय विशेषज्ञों का पैनल पोत स्वामियों और सी-फेयरर्स के प्रतिनिधि संगठनों के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाया जाएगा। ऐसा कोई व्यक्ति, जो किसी पोत के स्वामी या अधिकर्ता अथवा पोत स्वामियों या सी-फेयरर्स के प्रतिनिधि संगठनों के नियोजन में ऐसे अपील प्राधिकारी के गठन के समय पैनल में नहीं रखा जाएगा।

14. चिकित्सीय परीक्षक के विनिश्चय के विरुद्ध अपील :—(1) कोई मास्टर या नाविक, उस तारीख से जिसको उसे चिकित्सीय परीक्षक द्वारा आयोग घोषित किया जाता है, साठ दिन की अवधि के भीतर ऐसे विनिश्चय के विरुद्ध निदेशक, नाविक रोजगार कार्यालय के माध्यम से अपील प्राधिकरण को अपील कर सकेगा। परन्तु साठ दिन की उक्त अवधि के पश्चात् अपील तब स्वीकृत की जा सकेगी जब अपीलकर्ता, अपील प्राधिकरण का यह समाधान कर देता है कि उस के पास विहित अवधि के भीतर ऐसी अपील न करने का पर्याप्त कारण था।

(2) इस नियम के अधीन की गई प्रत्येक अपील के साथ उस आदेश की प्रति लगी होगी जिसके विरुद्ध अपील की गई है।

(3) अपील प्राप्त होने पर निदेशक नाविक रोजगार कार्यालय उसे तुरंत अपील प्राधिकरण को निर्दिष्ट करेगा और आदेश दिये जाने पर नाविक को अपील प्राधिकरण द्वारा उसकी परीक्षा किए जाने की तारीख, समय और स्थान की सूचना देगा।

(4) अपील प्राधिकरण अपील के निपटारे से पूर्व, अपीलकर्ता को सुनवाई का समुचित अवसर देगा।

(5) किसी अपील का यथा संभव शीघ्रता से, लेकिन अपील फाइनल करने के तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर निपटारा किया जायेगा।

(6) अपील प्राधिकरण ऐसे आदेश को, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पुष्ट, उपांतरित अथवा उलट सकेगा।

(7) अपील प्राधिकरण का विनिश्चय नाविक तथा पोत के स्वामी या अधिकर्ता पर आबद्धकर होगा।

(8) ऐसा कोई नाविक जिसने पोत पर कम से कम पाँच वर्ष सक्रिय सेवा की है, उस तारीख से जिसको अपील प्राधिकरण ने उसे स्थायी रूप से आयोग घोषित किया था, एक वर्ष की अवधि के भीतर निदेशक, नाविक रोजगार कार्यालय को अपने मामले का पुनर्विलोकन करने के लिए तब आवेदन कर सकेगा जब उसने चिकित्सा विज्ञान की उस शाखा के, जिससे उसकी बीमारी संबंधित है, किसी विशेषज्ञ का योग्यता प्रमाणपत्र अभिप्राप्त कर लिया है। परन्तु निदेशक नाविक रोजगार कार्यालय एक वर्ष की उक्त अवधि के पश्चात् किए गए किसी पुनर्विलोकन आवेदन को तब स्वीकृत कर सकेगा, जब उसका यह समाधान हो जाता है कि नाविक के पास अंत अवधि के भीतर आवेदन न करने का पर्याप्त कारण था।

15. फीस :—(1) नियम 14 के अधीन अपील प्राधिकरण को किए गए प्रत्येक आवेदन के साथ केवल 100 रुपये की फीस संलग्न की जाएगी।

(2) योग्यता प्रमाणपत्र की द्वितीय प्रति जारी किए जाने के लिए यथास्थिति, मास्टर या नाविक से 100 रुपये की फीस प्रभारित की जायेगी।

16. निरसन और व्यावृत्ति :—(1) भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (चिकित्सीय परीक्षा) नियम, 1986 को निरस्त किया जाता है।

(2) निरस्त नियमों के अधीन जारी की गई सभी चिकित्सीय रिपोर्ट और प्रमाणपत्र इन नियमों के संस्थानी उपबंधों के अधीन जारी किए गए माने जाएंगे।

उपाबद्ध "क"

सी फेयरर्स पूर्व समुद्री कार्य की और आवधिक चिकित्सीय परीक्षा के आयोजन के लिए मार्ग दर्शन

1. सी फेयरिंग जीवन के ऐसे पहलू जो सी फेयरर्स की चिकित्सीय परीक्षा के लिए सुसंगत हैं।

चिकित्सीय परीक्षक को पोत पर के जीवन के निम्नलिखित पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए :

चुंकि पोत अकसर तट से बहुत दूर अथवा पहुंच से बाहर क्षेत्रों में जाते हैं इसलिए अकसर जख्मी अथवा बीमार सी फेयरर्स के स्थान पर

दूसरे सी फेयरर्स को लगाना कठिन होता है। बहुत पोटों पर पोट परिचालन के लिए आवश्यक न्यूनतम कर्मचारी ही तैनात होते हैं इसलिए यदि केवल एक सी-फेयरर्स भी असमर्थ हो जाए तो उसके साथियों पर पर्याप्त अतिरिक्त कार्यभार आ जाता है।

पोत के अधिकारियों को सामान्यतः प्राथमिक उपचार और अन्य चिकित्सा का बुनियादी प्रशिक्षण दिया जाता है और पोट पर सामान्यतः बुनियादी चिकित्सा सामग्री उपलब्ध होती है। फिर भी बीमार या जखमी सी फेयरर्स को तट तक ले जाना बहुत कठिन होता है जहां उनका अनुज्ञप्त चिकित्सक से इलाज हो सकता है कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में तट पर उपलब्ध निकटतम चिकित्सा सुविधाएं सी फेयरर्स के मूल देश में उपलब्ध सुविधाओं के मानकों से बहुत कम होती हैं। अतः कतिपय चिकित्सीय शर्तों के साथ सी फेयरर्स बनने या समुद्रगामी नियुक्ति पर वापस जाने की अनुमति देना अविवेकी और प्रायः असुरक्षित होता है।

- * सी फेयरर्स प्रायः लंबी अवधि के लिए समुद्र में एक दूसरे के साथ रहते हैं। अतः संक्रामक रोग एक गंभीर खतरा हो सकता है जिससे न केवल अन्य सी फेयरर्स के स्वास्थ्य, अपितु पोट की सुरक्षा और यात्रियों, यदि ले जाये जा रहे हैं तो उनके लिए भी खतरा हो सकता है। खाना बनाने से संबद्ध सी फेयरर्स के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि वे ऐसे रोगों से पीड़ित न हो जो उनके कार्य के द्वारा अन्य व्यक्तियों को लग सकें।
- * अपने सामान्य कर्तव्यों का सही ढंग से निष्पादन करने और आपात परिस्थितियों (उदाहरणार्थ: अग्निशमक, जीवन रक्षक नौका उतारने और यात्रियों की सहायता आदि का मुकाबला करने के लिए सी फेयरर्स को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। उन्हें लगातार कंपन और पोट को प्रायः लगाने वाले झटके से अभ्यस्त होने के योग्य होना चाहिए और उन्हें तंग स्थानों में काम करने, सीढ़ियाँ चढ़ने और भार उठाने तथा डेक पर मौसम की विषम परिस्थिति का सामना करने या मशीन कक्ष में अत्यधिक गर्मी के योग्य होना चाहिए। प्रायः पोट पर आने और पोट से लौटने के लिए उन्हें प्रायः हवाई यात्रा करनी होती है इसलिए वे ऐसी परिस्थितियों में न हो जो हवाई यात्रा प्रतिषिद्ध करे।
- * सी फेयरर्स को उन्हीं व्यक्तियों के साथ, कष्टदायक स्थितियों में भी सप्ताहों और संभवतः मासों तक लगातार साथ रहने और काम करने के योग्य होना चाहिए। उन्हें अपने परिवार और मित्रों तथा कुछ मामलों में अपने सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य के व्यक्तियों से दूरी को भली-भांति सहने में सक्षम होना चाहिए।

2. चिकित्सीय परीक्षा के प्रकार और आकृति—

चिकित्सीय परीक्षा दो प्रकार की होती है :

- व्यक्ति के समुद्रगामी वृत्ति अपनाने से पूर्व की जाने वाली पूर्व समुद्री कार्य चिकित्सा परीक्षा, और
- सी फेयर वृत्ति सी फेयर के पोट पर जाने से पूर्व की जाने वाली या आवधिक अन्तराल पर की जाने वाली आवधिक चिकित्सीय परीक्षा जो सी फेयरर्स परीक्षा में उत्तीर्ण होते हैं उन्हें चिकित्सीय परीक्षक द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। ऐसे प्रमाणपत्र के न होने पर सी फेयरर्स को प्रायः पोट पर काम करने का प्रतिरोध होता है।

पूर्व समुद्री कार्य चिकित्सीय परीक्षा ऐसे व्यक्ति का जिसे उस समय पर प्रत्यक्ष स्वास्थ्य कारणों से समुद्रगामी वृत्ति नहीं होना चाहिए प्रवेश रोकने का अवसर प्रदान करती है यह ध्यान में रखते हुए कि इसका उद्देश्य अस्वस्थ और अविवेकी व्यक्तियों को दूर रखना है, इसलिए यह आवधिक परीक्षा की तुलना में अधिक कठिन होती है अपनी प्रकृति के अनुरूप यह परीक्षा केवल एक बार की जाती है इसलिए यह आवश्यक है कि चिकित्सीय परीक्षा इसे सम्यक रूप से करें।

आवधिक चिकित्सीय परीक्षा से ऐसी चिकित्सीय परिस्थितियों की पहचान करके, जो सी फेयरर्स के वृत्ति में आने के पश्चात् विकसित हो सकती है यह सुनिश्चित करने का अवसर मिलता है कि सी फेयरर्स समुद्री सेवा के लिए स्वस्थ रहता है। यह पूर्व समुद्री कार्य परीक्षा से लचीली होगी किन्तु इतनी लचीली भी नहीं कि अस्वस्थ सी फेयरर्स को समुद्री सेवा में लौटने की अनुमति प्रदान करे। प्रत्येक दो वर्ष में एक बार सी फेयरर्स की चिकित्सीय परीक्षा की जानी चाहिए तथा जो 40 वर्ष से अधिक आयु के हैं उनकी चिकित्सीय परीक्षा वर्ष में एक बार होनी चाहिए। यदि कोई सी फेयर 30 दिन या इससे अधिक अवधि के लिए बीमारी या क्षति से असमर्थ रहता है तो चिकित्सीय परीक्षा दोहरायी जानी चाहिए।

3. चिकित्सीय परीक्षा का संचालन

सुझाई गई निम्नलिखित प्रक्रियाओं का उद्देश्य चिकित्सीय परीक्षक के निर्णय या अनुभव को बदलना नहीं है। तथापि ये सुझाव परीक्षा का संचालन करने में सहायक होंगे। इस प्रयोजन के लिए एक चिकित्सीय परीक्षा प्रारूप (फार्मेट्स) बनाया गया है (उपाबद्ध डू)

1. चिकित्सीय परीक्षक को यह अवधारित करना चाहिए कि क्या परीक्षा का उद्देश्य यह निश्चित करना है कि क्या व्यक्ति सी फेयरिंग वृत्ति के लिए स्वस्थ है (पूर्व समुद्री कार्य परीक्षा) या यह निश्चित करना है कि क्या व्यक्ति समुद्री कार्य पर लौटने के लिए स्वस्थ है (आवधिक परीक्षा) और तदनुसार परीक्षा का संचालन करना चाहिए।
2. उस व्यक्ति की पहचान का सत्यापन किया जाना चाहिए जिसकी परीक्षा की है प्ररूप परीक्षा में उसकी डिस्चार्ज बुक, पासपोर्ट या अन्य सुसंगत पहचान दस्तावेज की संख्या दर्ज किए जाने चाहिए।

3. पोत पर परीक्षार्थी की आश्रित हैसियत और जहां तक व्यवहार्य हो उस कार्य के लिए शारीरिक और मानसिक अपेक्षाओं का अवधारण करना चाहिए। नौवहन परिचालन का प्रकार (उदाहरणार्थ, विदेशी, तटीय या हार्बर सेवा) और कार्गो प्रकार (कंटेनर-पोत, रसायन टैंकर आदि) पर भी विचार किया जाना चाहिए क्योंकि इस प्रकार की जानकारी से सूक्ष्म संवीक्षा या परीक्षक के कुछेक पहलुओं पर कम कड़ाई से विचार किया जा सकता है।
4. परीक्षार्थी का पिछला चिकित्सीय रिकार्ड यदि उपलब्ध हो तो पुनरीक्षण किया जाना चाहिए।
5. परीक्षार्थी के पिछले चिकित्सीय इतिहास के बारे में जानकारी सीधे इसी से ही इकट्ठी की जानी चाहिए। पिछली बीमारी या चोट आदि के विवरणों पर एक-एक करके प्रश्न किए जाने चाहिए। और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए जानकारी इकट्ठी हो जाने पर परीक्षार्थी को प्ररूप पर हस्ताक्षर करना चाहिए कि ये कथन सत्य¹ है। (उपाबंध इ)
6. परीक्षार्थी का वजन, कद, नाड़ी की गति और रक्तचाप, मापा और अभिलिखित किया जाना चाहिए। प्रयोगशाला परीक्षण, इसीजी, छाती का एक्स रे और (यदि आवश्यक हो) अन्य परीक्षणों के परिणामों की जांच की जानी चाहिए और उन्हें अभिलिखित किया जाना चाहिए।²
7. श्रवण शक्ति, दृष्टि शक्ति और वर्णान्धता की जांच की जानी चाहिए और अभिलिखित की जानी चाहिए। दृष्टि शक्ति, (मद संख्या 16 उपाबंध ख) में निहित दृष्टि शक्ति मानकों के अनुरूप होनी चाहिए।
8. परीक्षार्थी के टीकर रिकार्ड की जांच की जानी चाहिए। प्रतिरक्षणों का सुझाव दिया जाना चाहिए। यदि कोई नया टीका लगाया जाता है तो उसकी जानकारी अंतर्राष्ट्रीय टीका प्रमाणपत्र (कृपया पैरा 4 देखें) में अभिलिखित की जानी चाहिए।
9. चिकित्सीय परीक्षा का परिणाम अभिलिखित किया जाना चाहिए और यह मूल्यांकन भी किया जाना चाहिए कि नाविक प्रस्तावित कार्य के लिए स्वस्थ है अथवा नहीं उपाबंध 1 में चिकित्सीय शर्तों की जानकारी पर ध्यान दिया जाना चाहिए जिससे यह पता लग सके कि व्यक्ति समुद्री सेवा के लिए स्वस्थ है या फिलहाल अस्वस्थ है। व्यक्ति की आयु और अनुभव की भी जांच की जानी चाहिए, निष्पादित किए जाने वाले कार्यों के प्रकार और पोत परिवहन प्रचालन के प्रकार तथा स्थोरा पर भी विचार किया जाना चाहिए।
10. यदि परीक्षार्थी किए जाने वाले कार्य के लिए स्वस्थ पाया जाता है तो चिकित्सीय प्रमाणपत्र जारी किया जाना चाहिए। उस कार्य के वर्णन में जिसे करने के लिए वह स्वस्थ है, कार्य से संबंधित निर्बंधन दर्शित किए जाने चाहिए।
11. यदि परीक्षार्थी को सेवा के लिए अस्थायी रूप से "अस्वस्थ" पाया जाता है और इसलिए उसे चिकित्सा प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाता है तो भी उसे कारणों का स्पष्टीकरण दिया जायेगा। उसे भी सूचना दी जाएगी कि वह अतिरिक्त परीक्षण कराएं, विशेषज्ञों की राय लें, दौत-संबंधी या अन्य उपचार पूरा करें और स्वास्थ्य—लाभ आदि लें। परीक्षार्थी को यह भी सूचित किया जाना चाहिए कि वह दूसरी चिकित्सा परीक्षा के लिए कब उपस्थित हो सकता है। उसे अपील करने के अधिकार और अपील के तरीके पर सलाह भी दी जानी चाहिए।
12. यदि उचित समझें और समय हो तो नाविक को जीवन-शैली (एल्कोहल कम करने, धूम्रपान रोकने, खान-पान में सुधार, वजन कम करना आदि), एचआई वी/एड्स के खतरे और बचने के उपाय तथा अन्य संक्रामक बीमारियों के बारे में परामर्श दिया जाना चाहिए। औषध और एल्कोहल के प्रयोग से बचने, धूम्रपान रोकने, आहार, एच आई वी/एड्स से रोकथाम आदि पर मुद्रित स्वास्थ्य-शिक्षा सामग्री, यदि उपलब्ध हो, दी जानी चाहिए।³
13. चिकित्सा-परीक्षा फार्म पर स्पष्ट रूप से "गोपनीय" लिखा होना चाहिए और यह फार्म कम से कम 10 वर्ष तक उस स्वास्थ्य स्थापन में रखा जाना चाहिए जहाँ से स्वास्थ्य प्रमाणपत्र जारी किया गया था। यह फाइल केवल कर्तव्यों का अनुपालन या चिकित्सीय देखभाल के उपबंधों के चिकित्सीय प्रयोजन से उपलब्ध करायी जानी चाहिए।
14. चिकित्सा परीक्षा-फार्म की एक प्रति नाविक को भी दी जानी चाहिए और उसे सलाह दी जानी चाहिए कि वह इस प्रति को अगली चिकित्सा-परीक्षा अथवा बीमारी या जखमी होने के समय इलाज के लिए अपने साथ लाएं। यदि संभव हो तो नाविक को एक कार्ड जारी किया जाना चाहिए जिसमें उसके ब्लडग्रुप और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी उपदर्शित हो ताकि आपात-स्थिति में उपचार के समय उसे सुविधा हो सके।
15. चिकित्सा-प्रमाणपत्र की संख्या अभिलिखित होनी चाहिए तथा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र नाविक को देना चाहिए।

4. नाविकों के लिए टीका लगाने की अपेक्षाएं

(क) अन्तर्राष्ट्रीय टीका-प्रमाणपत्र

नाविक के पास अन्तर्राष्ट्रीय टीका-प्रमाणपत्र होना चाहिए जिसमें सभी टीकों के प्रकार तथा टीका लगाने का स्थान और समय उपदर्शित

(ख) पीत ज्वर के लिए अनिवार्य टीका

कुछ देशों में पीत ज्वर के लिए वैध अन्तरराष्ट्रीय टीका-प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है। एशिया, अफ्रीका या दक्षिण अफ्रीका से आने वाले व्यक्तियों के लिए अक्सर इस अपेक्षा को कड़ाई से लागू किया जाता है। इसलिए स्वास्थ्य संबंधी प्रयोजनों के लिए ही नहीं बल्कि इन क्षेत्रों के देशों की यात्रा के आवागमन में भी सुविधा होती है। यह टीका-प्रमाणपत्र केवल तभी वैध होता है जबकि यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के नमूने के अनुरूप हो, यह टीका विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित हो, और स्वीकृत पीत ज्वर टीका केन्द्र द्वारा लगाया गया हो। पीत ज्वर से संबंधित प्रमाणपत्र की वैधता अवधि टीका लगाने के 10 दिन के पश्चात् से आरंभ होकर 10 वर्ष तक के लिए होती है। यदि इस अवधि के समाप्त होने से पूर्व यदि व्यक्ति को पुनः टीका लगाया जाता है तो यह अवधि टीका लगाने की तारीख से आगे 10 वर्ष के लिए बढ़ा दी जाती है। यदि टीका लगाने के विवरण नए प्रमाणपत्र पर अभिलिखित किए गए हैं तो नाविक को यह सलाह दी जानी चाहिए कि वह पुराना प्रमाणपत्र 10 दिन तक अपने पास सुरक्षित रखें जब तक कि नया प्रमाणपत्र वैध न हो जाए।

(ग) नाविकों के लिए अबाध्यकर स्वैच्छिक प्रतिरक्षण

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अन्तरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियमों के अनुसार नाविकों के लिए ये प्रतिरक्षण अपेक्षित नहीं हैं। तथापि नाविकों के लिए ऐसी प्रतिरक्षणों की सिफारिश की जाती है और ये अनुरोध पर दिए जाने चाहिए। निम्नलिखित प्रतिरक्षण अनुमोदित किए जाते हैं :—

— वायरल यकृत—शोथ टाइप ए (संक्रामक यकृतशय, महामारी यकृतशोथ)

— वायर यकृत—शोथ टाइप बी (सीरम यकृत-शोथ) टीका लगाना आरंभ करते समय चिकित्सा—परीक्षक को ध्यान में रखना चाहिए कि इन टीकों की खुराक 0, 1 और 6 मास के अन्तराल पर अथवा 0, 1 और 2 मास के अन्तराल पर दी जाती है और इसका वर्धक 12 मास के पश्चात् दिया जाता है। इसलिए इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि नाविक समुद्री-यात्रा पर किस समय होगा और इस प्रकार टीका नहीं लगवा सकेगा।

— टेटेनस—अधिकांश नाविकों का प्रतिरक्षण किया जा चुका होगा, तथापि वर्धक खुराक प्रत्येक 8-10 वर्ष में दी जाती है। पोत पर नाविक के जाने से पहले यह टीका लगाना चाहिए क्योंकि विकल्प से (जखमी होने के पश्चात् टेटेनसरोधक प्रतिरक्षण सीटम देने से) कुच्छेक व्यक्तियों में खतरनाक और प्रभावशाली अलेर्जी प्रतिक्रिया हो सकती है जिससे पोत पर जाने का गंभीर खतरा हो सकता है।

— पोलियोमाइलाइटिक—पुनः प्रतिरक्षण के लिए प्रत्येक 5 वर्ष में मुख से पोलियो टीके की वर्धक खुराक देने की सिफारिश की जाती है। जिन व्यक्तियों का पहले प्रतिरक्षण नहीं किया गया है उन्हें पोत पर नियुक्ति से पहले मृत या निष्क्रिय (साल्क) पोलियो टीका (आई पी वी) की पूरी खुराक दी जानी चाहिए।

चिकित्सा—परीक्षक को ध्यान रखना चाहिए कि ये खुराक 01 मास के अन्तराल में दो भाग में दी जाए और एक खुराक 6-12 मास के पश्चात् दी जाए। इससे नाविक के पोत पर जाने का कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है।

1. किसी व्यक्ति को कार्य के लिए स्वस्थ होने पर विगत या वर्तमान शारीरिक अथवा मानसिक बीमारी के परिणामों के संबंध में सबूत के भार के लिए चिंतित नहीं होना चाहिए।
2. यदि औषध और एल्कोहल के संबंध में परीक्षण अपेक्षित हो तो नाविकों के स्वास्थ्य पर आई एल ओ/डब्ल्यू एच ओ संयुक्त समिति द्वारा अपनाए गए समुद्री उद्योग में विश्वस्तर पर लागू करने के लिए औषध और एल्कोहल परीक्षण—पद्धति के मार्गदर्शी सिद्धांतों को ध्यान में रखना चाहिए।

(जेनेवा 10-14 मई, 1993)

3. चिकित्सा परीक्षा के समय किए गए एच आई वी के परीक्षण का परिणाम सकारात्मक है तो नाविक को हमेशा सूचित करना चाहिए।

उपाबंध "ख"

नाविक को चिकित्सा-प्रमाणपत्र जारी करने का निर्णय लेते समय विचार करने योग्य चिकित्सा-शर्तें।

सामान्यतः निम्नलिखित चिकित्सा-शर्तें व्यक्ति को समुद्रगामी सेवा के लिए अस्वस्थ ठहराती हैं। प्रत्येक परीक्षार्थी के संबंध में चिकित्सा-परीक्षक को यह ध्यान देना चाहिए कि इन शर्तों के अनुसार व्यक्ति अपने कर्तव्यपालन अथवा अपेक्षित कार्य करने के लिए तथा नौवहन प्रचालन

संबंधी कार्य के लिए अस्वस्थ है तो ऐसा कार्य करने के लिए परिस्थिति या परिस्थितियों के अनुसार उसका उपचार या पूर्ण रूप से कम किया जा सकता है अथवा नहीं। चिकित्सा-परीक्षक को केवल परीक्षार्थी के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ही ध्यान नहीं रखना चाहिए बल्कि अन्य नाविकों और यात्रियों के साथ-साथ पोत की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। इन परिस्थितियों के होते हुए भी यदि किसी नाविक को चिकित्सा-प्रमाणपत्र जारी किया जाता है तो इस अपवाद को दोषमुक्त किया जाना चाहिए और निर्बन्धनों का स्पष्ट उल्लेख किया जाना चाहिए। चिकित्सा-परीक्षक को यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि प्रतिकूल लक्षणों की विस्तृत सूची तैयार करना संभव नहीं है लेकिन इस सूची से मार्गदर्शन मिल सकता है। यह सूची निर्दोष चिकित्सा-निर्णय का स्थान नहीं ले सकती है।

1. संक्रामक और परजीवी रोग—

उपाजित असंक्राम्य अभाव संलक्षण (एड्स) शोध, सक्रिय यकृत शोध, सक्रिय या चिरकालिक, 6 मास के भीतर यौन-संपर्क द्वारा संवाहित रोग, सक्रिय क्षय-रोग, सक्रिय।¹

मियादी बुखार, सक्रिय या वाहक

मलेरिया

जें

साज

अन्य कोई संक्रामक अथवा संचारी या संवाहन स्थिति में परजीवि-रोग जो सामान्य संपर्क द्वारा कर्मीदल के अन्य सदस्यों या यात्रियों के लिए स्वास्थ्य-संबंधी संकट उत्पन्न कर सकता है।

2. प्राणघातक अर्बुद

किसी भी प्रकार की प्राणघातकता को प्रकट होने पर नाविक को अयोग्यता माना जाना चाहिए जब तक उसकी नामांकन न किया गया हो। जिस प्राणघातकता का फिलहाल उपचार चल रहा है वे भी पोत काम करने के लिए व्यक्ति को अस्वस्थ घोषित करती है।²

3. अन्तः स्त्राव पौषणिक और उपापचय स्थितियां तथा असंक्राम्यता विकार

एड्स

अधिवृक्क उपर्याप्तता, अनियंत्रित

मधुमेह

इम्यूनोसप्रेसिव थेरापी

मोटापा अक्षमता

अकटुग्रन्थि रोग

यकृत या गुर्दे का असामान्य कार्य

अन्तः स्त्राव ग्रन्थियों से संबंधित कोई रोग

4. रक्त तथा रक्त निर्माण तन्तुओं सम्बन्धी रोग³

रक्तक्षीणता, लाक्षणिक

माइलोडिस्प्लासिया

प्लीहाशेथ, लाक्षणिक या अपरिभाषित

रुधिर प्रणाली सम्बन्धी कोई विशेष रोग नहीं होना चाहिए

5. मानसिक विकार

सक्रिय मदिरापान, पर्याप्त सेवन या उस पर निर्भर हो, यदि अभी भी है और स्वास्थ्य को प्रभावित करता है जिससे शारीरिक या व्यवहारात्मक विकार हो।

अतिपाती मनोविकृति जो स्वभावगत, खंडित मनस्कता अथवा रोगों के अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण में उल्लिखित कोई अन्य रोग।

साइकोन्यूरोसिस प्रमुख विषाद अथवा उन्माद
पागलपन
विषाद, सक्रिय, मनन अपेक्षित हो
व्यक्तित्व विकार, सक्रिय'

6. स्नायु-तंत्र और बोध-इन्द्रिय की दशाएं

गतिविभ्रम, भ्रमि, सक्रिय
कोई ऐंठन विकार
मिर्गी
चाल की अस्थिरता
केन्द्रीय स्नायु तंत्र के कार्य की खराबी, सैकेण्डरी या सक्रिय चिकित्सीय विकार (मधुमेह, नशे का प्रभाव, अवटुग्रीन्थ विकार)
आघात पश्चात संलक्षण, सक्रिय
दौरा
कम्पन, सक्रिय जिससे सूक्ष्म मोहर प्रणाली प्रभावित हो
अक्षमता उत्पन्न करने वाले तीव्र सिरदर्द के झटके
मूर्च्छा तथा चेतना सम्बन्धी अन्य विकार
तानिका सम्बन्धी रोग
श्रवणशक्ति का हरास, अचानक या धीरे-धीरे, यदि संप्रेषण में
व्यवधान उत्पन्न करें (नीचे श्रवणशक्ति विषय भी देखें)
निरन्तर इपिसटेक्सिस
बार-बार होने वाला, बहने वाला साइनस

7. हृदय संवाहिनी प्रणाली की स्थितियां

रक्तजमाव विरोधी चिकित्सा की आवश्यकता की स्थिति महाधमनी नाड़ी अर्बुद, हृदय शूल
अस्थिमिया
रक्त चाप, 150/90 एम एम एच जी से अधिक
(नए उम्मीदवारों के मामले में),
50 वर्ष से कम आयु के सेवारत नाविकों के मामले में 160/100 एम एम एच जी या इससे अधिक, 50 वर्ष से अधिक आयु के सेवारत नाविकों के मामले में 175/100 एम एम एच जी, या विशेष विपरीत प्रभाव के बिना एन्टी-हाइपरटेंशन चिकित्सा द्वारा इन स्तरों से कम रखा गया रक्तचाप। उपचार द्वारा स्थिर रखा गया हाइपरटेंशन जिसकी निगरानी आवश्यक हो और पेसमेकर पर निर्भर हो।
कोरोनरी बाइपास ग्राफ्टिंग
कोरोनरी एन्जियो प्लास्टी

1. चिकित्सा परीक्षक को छाती-रोग संबंधी चिकित्सा की राय पर भी विचार करना चाहिए कि धाव पूरी तरह भर गया है या नहीं तथा रोगी ने कीमोयेरांपी की पूरी खुराक ली है अथवा नहीं। जिन मामलों में एक अथवा दोनों फेफड़े गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं वे पुनः नियुक्ति के लिए बहुत कम ही उपयुक्त पाए जाते हैं।
2. नाविक के उपचार के पश्चात् पुनर्कृति के लक्षण से रहित अपवाद स्वीकार किया जा सकता है।
3. रसायन बल्क वाहक पोत पर कार्यरत नाविकों को प्रत्येक 12 मास में रक्त की जांच करानी चाहिए। इस जांच में यकृत कार्य परीक्षण और ल्यूकोसाइट संख्या शामिल होनी चाहिए तथा इसका मूल्यांकन चिकित्सा परीक्षक द्वारा किया जाना चाहिए।
4. मनोविकृति-संबंधी विकार के अतिपाती आविर्भाव के लिए निम्नलिखित के अवलोकन की आवश्यकता के लिए बताता है—
5. कार्यस्थल पर श्रवण-उपकरण का उपयोग केवल कैटरिंग कर्मचारियों के बारे में माना जा सकता है। यह उपकरण इतना प्रभावी अवश्य होना चाहिए कि सामान्य स्तर पर की गई बातचीत सुनी जा सकें। आवधिक चिकित्सा परीक्षा के दौरान सेवारत रेडियो और इंजीनियरिंग अधिकारियों की श्रवण-परीक्षा भी की जानी चाहिए।

पेसमेकर निर्भरता, हृदय-वाल्च-संबंधी रोग

क्लॉडिकेशन

अतिपाती म्योकार्डियल इन्फ्रैक्शन

धमनी-संबंधी अन्य रोग, लाक्षणिक

कोई सेरेब्रोवैस्कुलर दुर्घटना, इसमें ट्रानसियेंट इषेमिक दौर भी सम्मिलित है।

सामान्य सेरेब्रल आर्टेरोस्क्लीरोसिस, इसमें पागलपन और बुढ़ापा भी सम्मिलित है।

शिराधमनी आवृत्ति लक्षणों-सहित, संतुलित स्तर ऑपरेशन के पश्चात् के लक्षण अथवा उपचार के लिए अनुपयुक्त शिराओं में पुराने घाव चिट्ठा अथवा पर्याप्त गहरी धनासता या थ्रोबोफिलेबाइटिस बवासीर शुष्क अथवा खूनी लक्षणों सहित (ऑपरेशन न हुआ हो) लक्षणों सहित वेटिकोसील (ऑपरेशन न हुआ हो)

8. श्वसन-प्रणाली की स्थिति

श्वसनी-दमा (अतिपाती/पुराना)

पुराना श्वसनी-शोथ और या वातस्फीति, बीमारी के बार-बार होने के मामले में पर्याप्त दुर्बलता

12 मास के दौरान न्युमोनिया अनायास हो जाना,

नासूर

12 मास के कम उपचार-सहित फुफुस-रोग छाती-कम-से-कम 74 से.मी. (29इंच-5 सें.मी.) (2 इंच फुलाव सहित)

- (क) छाती विकसित और समानुपातिक होनी चाहिए और फुफुस क्षयरोग आदि या फेफड़े से संबंधित अतिपाती या पुराने रूप और/या उपरिश्वसन-क्षेत्र में बीमारी का कोई प्रमाण या लक्षण नहीं होना चाहिए।
- (ख) सभी मामलों में छाती का एक्स-रे/स्क्रीन-परीक्षण किया जाएगा और उम्मीदवार को अयोग्य घोषित करने वाले दोष, विकृति अभिलिखित की जाएगी।
- (ग) उम्मीदवार को सभी प्रकार के श्वसन-प्रणाली संबंधी रोगों से मुक्त होना चाहिए।
- (घ) छाती में ऐसी कोई विकृति नहीं होनी चाहिए जिससे सांस लेने में बाधा हो।
- (ङ) फेफड़े का कार्य-विश्राम के समय श्वसन दर 20 प्रति मिनट होना चाहिए। नाड़ी देखने का समय 30 सेकेन्ड से कम नहीं होना चाहिए। छाती का फुलाव 5 सें.मी. (2 इंच) से कम नहीं होना चाहिए। जो नाविक इन परीक्षणों में सही नहीं पाए जाते हैं उनके लिए फेफड़े के कार्य की सही आकलन के लिए वाइटलोमेट्री परीक्षण किया जाएगा।

9. मुख-संबंधी स्वास्थ्य

उपचार होने तक मुख या मसूढ़ों का संक्रमण उपचार होने तक दांत-दोष (दांतों के मामले में) नाविक को स्वस्थ होना चाहिए। हकलाहट या बोलीहीनता

दांत—दांतों के न होने या सड़ने के कारण उम्मीदवार को स्वीकृत या रद्द करना, नाविक के अन्य दांतों की अच्छी स्थिति और शारीरिक स्थिति पर निर्भर करता है। इसके मुंह में सक्षम रूप से चबाने के लिए पर्याप्त संख्या में दांत होने चाहिए और किसी भी स्थिति में पर्याप्त मात्रा में चबाने के लिए अप्राकृतिक जबड़ा स्वीकार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवार के मुंह में सक्षम रूप से चबाने के लिए पर्याप्त संख्या में दांत हैं अथवा नहीं, यह पता लगाने के लिए निम्नलिखित दिशा निर्देशों पर विचार करना चाहिए।

- (क) पर्याप्त रूप से चबाने के लिए जो दांत आवश्यक नहीं होते हैं उन्हें प्रत्येक को एक अंक दिया जाता है और जो दांत आवश्यक होते हैं उन्हें प्रत्येक को दो अंक दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए प्रत्येक कृदक, श्वदंत, पहला और दूसरा अगर्चवर्णक का मूल्य एक अंक होगा परन्तु इनके तत्संबंधी निचले दांत मौजूद हों।
- (ख) प्रत्येक पहले और दूसरे दाढ़ और पूर्णतः विकसित तीसरी दाढ़ के दो अंक होंगे परन्तु यह निचले जबड़े में तत्संबंधी दांतों के ठीक विपरीत हों। यदि तीसरी दाढ़ पूर्णतः विकसित नहीं है तो उसे केवल एक अंक दिया जाएगा।
- (ग) यदि ऊपरी जबड़े में सभी 16 दांत मौजूद हों और निचले जबड़े के तत्संबंधी दांतों के साथ सही कार्य कर रहे हों तो कुल मान 20 या 22 बिंदु होगा चाहे तीसरे चर्वक विकसित हुए हों या नहीं।
- (घ) ऊपरी जबड़े के निम्नलिखित दांत निचले जबड़े के सामने के तत्संबंधी दांतों के साथ सही कार्य करने की स्थिति में होंगे—

- भीतरी 6 दाँतों में से कोई 4, और
- बाहरी 10 दाँतों में से कोई 6 दाँत

(ख) मुख में कम से कम 14 दंत बिंदु हों और ये सभी दांत मजबूत और मरम्मत योग्य होने चाहिए। न्यूनतम अपेक्षित बिंदु 14 हैं।

(च) अत्यधिक पायरियाग्रस्त नाविकों को अस्वीकृत किया जाता है। यदि पायरिया अभी कम है और दाँत मजबूत हैं और यदि दंत चिकित्सक की राय में दाँत निकाले बिना सामान्य दंतोपचार से उसे ठीक किया जा सकता है तो नाविक को स्वीकार किया जा सकता है।

10. पाचन तंत्र की स्थितियाँ

पेट में सूजन

फोड़े, पेरिकटल या उदरीय, सक्रिय।

ठण्डुकशोथ।

मलाशय से रक्तस्राव।

कोलेलिथिएसिस, 6 माह के भीतर पित्ताशमरी की उपस्थिति के लक्षण/पित्ताशमरी दस्त, सक्रिय।

जठरीय या आँतों का अल्सर।

रक्त वमन, तीन माह के भीतर यकृतशोथ, सक्रिय या पुराना, 6 माह के भीतर।

पीलिया, चालू।

अगनाश्व शोथ, सक्रिय।

पेटिक अल्सर रोग नये रोगियों में*।

जिगर का सिरोसिस, जहाँ स्थिति गंभीर हो या सुधर रही हो और/या जहाँ सेसोफेनील वेरीसिस या एस्साइट जैसी जटिलताएं मौजूद हों।

प्लीहा-अतिवृद्धि

यकृत-अतिवृद्धि

मलद्वार में दराह/नासूर (यदि आपरेशन न हुआ हो)

फोड़े (यदि आपरेशन न हुआ हो)।

11. जनन मूत्रीय तंत्र की स्थितियाँ

प्रोटीनयूरिया, ग्लाइकोस्यूरिया के सभी मामले या अन्य मूत्रीय अपसामान्यता।

तीव्र, कम तीव्र या पुराना कृक्क शोथ।

मूत्रीय बाधाएं यदि उपचार योग्य नहीं हो बिना उपचार के वृक्कीय या मूत्रीय पथरी।

गुर्दा निकाल देना

वृक्कीय प्रतिरोपण।

वृक्कीय अक्षमता, सक्रिय।

मूत्र असंयम, जो उपचार योग्य न हो।

प्रोस्टेट ग्रंथि बढ़ना, जिसका उपचार न किया गया हो।

मूत्र मार्ग से स्राव सक्रिय।

अण्डकोश वृद्धि, बड़ा और आकार का बढ़ता रहना।

हर्निया प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष।

6. जो सेवारत सी-फेयरर्स अल्सर से ग्रस्त हैं उसे लक्षणों से मुक्त होने तक ड्यूटी पर नहीं आना चाहिए। जख्म भरने का गेस्ट्रोस्कोप किया जाना चाहिए और सी फेयरर कम से कम छह: मास से साधारण भोजन पर बिना उपचार के होना चाहिए। जठरीय आंत्रिक रक्तस्राव छिद्रण, उपचार के बावजूद आवर्ती पेटिक अल्सर या शल्य के बाद की जटिलताओं से ग्रस्त व्यक्ति पोत पर कार्य करने के योग्य नहीं माना जाना चाहिए।

7. समुद्र यात्रा के दौरान बाधा उत्पन्न करने या कार्यक्षमता को प्रभावित करने की संभावना वाले अतिपासी या पुराने स्त्रीरोग संबंधी स्थितियाँ।

12. गर्भावस्था**13. त्वचा की स्थितियाँ**

संतोषप्रद उपचार होने तक त्वचा के सभी संक्रमण।

अतिपाती दाद।

दुःसाध्य या अनियंत्रित चर्मरोग।

दैहिक बीमारियों का प्रकट होना (जैसे ल्यूपस, एलर्जी)

कैंसर।

14. कंकालपेशीय (मसक्यूलोस्केलटल) तंत्र की स्थिति

सी फेयरर के कंकालपेशीय तंत्र में कोई ऐसा दोष न हो जिससे उसके कर्तव्यों के निर्वहन में कोई बाधा हो (उसकी पेशीय शक्ति, संतुलन गतिशीलता एवं समन्वय क्षमता अबाधित होनी चाहिए) कृत्रिम अंग स्वीकार्य नहीं होंगे।

15. श्रवण शक्ति

उम्मीदवार :—500, 1000, 2000 और 3000 हर्ट्ज पर दोनों कानों में बिना किसी साधन के 40 डेसिबल से अधिक की औसत तीव्रता और/या दोनों कानों में 55 डेसिबल पर 90/ से कम की वाक् भेद करने की क्षमता।

सेवारत सी-फेयरर्स : 500, 1000, 2000 और 3000 हर्ट्ज पर दोनों कानों में बिना किसी साधन के 70 डेसिबल से अधिक की औसत तीव्रता और/या दोनों कानों में 55 डेसिबल पर 80/ से कम की वाक् भेद करने की क्षमता।

कान :—

(क) श्रवण शक्ति में किसी प्रकार की कोई हास नहीं होनी चाहिए किसी भी कान में कोई बीमारी या स्त्राव नहीं होना चाहिए, कान के परदे का वायुयुक्त छिद्रण अतिपाती या पुराने कर्णस्त्राव का लक्षण नहीं होना चाहिए या पूरी तरह से या अधूरा समूल कणमूल वृद्धि ऑपरेशन का कोई साक्ष्य नहीं होना चाहिए तथा कान में कोई जन्मजात विकृति नहीं होनी चाहिए।

(ख) उसमें प्रत्येक कान से 5 मीटर की दूरी पर होने वाली फुसफुसाहट सुन सकने की क्षमता होनी चाहिए। कोई बीमारी नहीं होनी चाहिए। श्रवण साधनों की अनुमति नहीं दी जाएगी।

16. दृश्य शक्ति-पूर्व समुद्री कार्य चिकित्सीय परीक्षा के मानक निम्नलिखित हैं :—

(1) किसी भी आंख में ऐंचापन नहीं होना चाहिए या किसी आंख अथवा पलक की स्थिति खराब नहीं होनी चाहिए, ट्रेकोमा का दबाव और आइरिस जटिलताएं सिक्वेला नहीं होना चाहिए। उम्मीदवार को दोनों नेत्रों से सही दिखाई देना चाहिए दोनों आंखों से फयुज फेकल्टी और पूरी परिधि नेत्र गोलक सभी दिशाओं में घूम सके और पुतलियाँ प्रकाश के सामने सही ढंग से काम कर सकें।

(2) डेक विभाग (डेक और सामान्य उद्देश्य के लिए नियुक्त कर्मीदल सहित) दूर दृष्टि (बिना संसाधन के)—अच्छी आंख में 1.0 एस (6/6) अन्यथा आंख में 0.67 एस (6/9)

सामान्य रंग दृष्टि (इशियारा परीक्षण चार्ट से जांची जाए)

इसके अतिरिक्त, मास्टर श्रेणी तक के प्रमाणपत्र के लिए डेक कैडेटों और डेक अधिकारियों को नीचे पैरा 17 के अनुसार समुद्री वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित दृष्टि परीक्षण उत्तीर्ण करना अपेक्षित है।

(3) इंजन विभाग (इंजन कक्ष कर्मीदल सहित)

दूर दृष्टि (बिना साधन के) प्रत्येक आंख में 0.5 एस (6/12), या

अच्छी आंख में 0.67 एस (6/9) और

अन्यथा आंख में 0.33 एस (6/18)

सामान्य रंग दृष्टि (इशियारा परीक्षण चार्ट से जांची जाए)

(4) खान-पान विभाग (भंडारी और सहायकों सहित)

दूर दृष्टि (बिना साधन के) प्रत्येक आंख में 0.33 एस (6/18)

8. मान स्नेलेन दाशमिक अंकन में दिये गए हैं

अच्छी आंख में 0.5 एस (6/12) और

अन्यथा आंख में 0.25 एस (6/24)

सामान्य रंग दृष्टि (इशियारा परीक्षण चार्ट से जांची जाए)

(5) रेडियों अधिकारी और इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रनिक अधिकारी—

दूर दृष्टि (बिना साधन के) प्रत्येक आंख में 0.5 एस (6/12); या

अच्छी आंख में 0.67 एस (2/9) और

अन्यथा आंख में 0.33 एस (6/18)

सामान्य रंग दृष्टि (इशियारा परीक्षण चार्ट से जांची जाए)

(ख) एस. टी. सी. डब्ल्यू. 95 के अनुसार सरणी बी-1/9 में आवधिक चिकित्सीय जांच के मानक दिए गए हैं। इसकी एक प्रति सुलभ संदर्भ के लिए उपाबद्ध (घ) के रूप में पृष्ठ (45) पर दी गई है। जिन्हें ड्यूटी पर चश्मा या कॉन्टैक्ट लेंस लगाना अपेक्षित है, वे पोत पर सुलभ स्थान पर एक अतिरिक्त जोड़ी रख दें।

अपेक्षित मानकों को पूरा करने के लिए दृश्य सहायक साधनों के प्रयोग की आवश्यकता का उल्लेख जारी प्रत्येक प्रमाणपत्र और पृष्ठांकन पर होना चाहिए।

सी-फेयरर्स की आंख में कोई बीमारी नहीं होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की स्थायी या विकसित होने वाली ऐसी विकृति, जिसका उपचार नहीं हुआ हो, अस्वस्थता के अवधारण का कारण मानी जाएगी।

17. दृष्टि परीक्षण—

भाग—1

(1) अक्षर परीक्षण—सर्वप्रथम अक्षरों के पृष्ठों के माध्यम से स्नेलेन के सिद्धांत पर आधारित अक्षर परीक्षण से उम्मीदवार को गुजरना होगा। प्रत्येक पृष्ठ पर पांचवीं, छठवीं और सातवीं पंक्ति क्रमशः 0.5 एस (6/12), 0.67 एस (6/9) और 1.0 एस (6/6) मानक के अनुरूप होगी। एस=स्नेलेन दशमिक अंकन पद्धति में दिया गया मान।

(2) प्रत्येक उम्मीदवार जो नया नहीं है, परीक्षण से पूर्व परीक्षक को यह सूचना देगा कि वह दृष्टि ठीक करने के लिए कृत्रिम सहायक साधनों का प्रयोग करना चाहता है या नहीं। ये साधन चश्मे या कॉन्टैक्ट लेंस के रूप में होंगे। रंगयुक्त लेंस प्रयोग करने की अनुमति नहीं होगी।

(3) अपेक्षित दृष्टि मानक—

(क) अभ्यर्थी के प्रत्येक नेत्र की पृथक् रूप से जांच की जाएगी।

(ख) सहायक साधनों के प्रयोग बिना दृष्टि—

परीक्षण कराने वाले नए उम्मीदवारों के अलावा किसी अभ्यर्थी से अच्छी आंख से नीचे की सातवीं पंक्ति तक और दूसरी आंख से नीचे की छठवीं पंक्ति तक पढ़ पाना अपेक्षित होगा।

(ग) सहायक साधनों का प्रयोग करते हुए दृष्टि परीक्षण कराने वाले नए प्रवेशार्थी के अलावा किसी अभ्यर्थी से :

(i) सहायक साधनों के प्रयोग से अच्छी आंख से नीचे की सातवीं पंक्ति तक और दूसरी आंख से नीचे की छठवीं पंक्ति तक ठीक से पढ़ पाना, और

(ii) सहायक साधनों के प्रयोग के बिना अच्छी आंख से नीचे की पांचवीं पंक्ति और दूसरी आंख से नीचे की तीसरी पंक्ति तक पढ़ पाना अपेक्षित होगा।

(घ) किसी अभ्यर्थी की जो नया है अर्थात् जो अभ्यर्थी डेक विभाग में कार्य करने के लिए पहली बार समुद्र में रहा है, प्रत्येक आंख की पृथक् रूप से जांच की जाएगी। उससे अच्छी आंख से नीचे की सातवीं पंक्ति तक और दूसरी आंख से नीचे की छठवीं पंक्ति तक तथा दोनों आंखों से सातवीं पंक्ति के सभी अक्षरों को पढ़ पाना अपेक्षित होगा। नये अभ्यर्थी को सहायक साधनों के प्रयोग की अनुमति नहीं होगी।

(4) परीक्षण विधि —

- (क) परीक्षण कार्ड को प्रकाश के सामने सुविधाजनक ऊँचाई पर रखा जाएगा। सूर्य की रोशनी का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। परीक्षण कक्ष में सामान्य प्रकाश होगा ताकि परीक्षण कार्ड और पृष्ठ भूमि के बीच अत्यधिक भेद से बचा जा सके।
- (ख) अभ्यर्थी पृष्ठ से 6 मीटर की दूरी पर उसके ठीक सामने खड़ा होगा। फिर वह ऊपर से नीचे की ओर बायीं से दायीं ओर अक्षरों को पढ़ेगा।
- (ग) अभ्यर्थी द्वारा किसी भी प्रकार के छल की संभावना को दूर करने के लिए पृष्ठों का क्रम परिवर्तन किया जाएगा।

(5) असफलता—

यदि अभ्यर्थी पहले पृष्ठ को पढ़ने में अपेक्षित मानक प्राप्त करने में असफल रहता है तो कम से कम 4 पृष्ठों के माध्यम से उसका परीक्षण किया जाएगा। यदि इसके बाद भी वह असफल रहता हो तो उसे निम्नलिखित विकल्प बताए जाने चाहिए।

- (क) वह परीक्षण को छोड़ कर तीन मास से अन्यून की अवधि में पुनः परीक्षण के लिए उपस्थित हो सकेगा। ऐसी स्थिति में उसे असफलता का प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा, या
- (ख) यदि वह नया अभ्यर्थी नहीं है और उसने प्रथम प्रयास के समय सहायक साधनों का प्रयोग नहीं किया है तो वह कृत्रिम सहायक साधनों के साथ कभी भी परीक्षण के लिए उपस्थित हो सकेगा, या
- (ग) वह लालटेन परीक्षण के लिए उपस्थित हो सकेगा ऐसी स्थिति में अक्षर परीक्षण में की गई सभी गलतियाँ और लालटेन परीक्षण में उसकी सभी गलतियों का, यदि कोई है, रिकार्ड मुख्य परीक्षक के पास भेजा जाएगा, जो यह निर्णय करेगा कि उम्मीदवार दृष्टि परीक्षण में सफल हुआ है या असफल।

भाग—2

(6) लालटेन परीक्षण—

- (क) इस परीक्षण के लिए एक विशेष लालटेन और दर्पण उपलब्ध कराया जाएगा। यह परीक्षण ऐसे अंधेरे कमरे में किया जाता है जिसमें कोई प्रकाश न आ सके।
 - (ख) लालटेन को दर्पण के सामने इस प्रकार रखा जाएगा कि लालटेन का अगला हिस्सा उसके सामने 3.05 मीटर की दूरी पर हो और ऐसी स्थिति में रखा जाएगा कि जब अभ्यर्थी लालटेन की बायीं ओर से देखे तो दर्पण पर प्रतिबिंबित प्रकाश स्पष्ट दिखाई दे।
- (7) (1) नये अभ्यर्थी को छोड़कर जिस अभ्यर्थी ने अक्षर परीक्षण में कृत्रिम सहायक साधन प्रयोग किया है, वह लालटेन परीक्षण में भी ऐसे साधन प्रयोग का सकता है।

(2) अंधकार अनुकूलन—

यदि कोई अभ्यर्थी लालटेन परीक्षण के आरंभ में गलती करता है तो उसे कम से कम 15 मिनट तक पूर्णतः या अंशतः अंधेरे कमरे में रखा जाएगा और उसके बाद परीक्षण किया जाएगा।

(3) परीक्षण विधि—

- (क) परीक्षण के लिए दी गई लालटेन को इस प्रकार बनाया जाएगा कि उसमें 1 बड़ी और 2 छोटी बत्तियाँ दिखाई दें, और लालटेन में लाल, सफेद और हरे 3 रंगों के 9 काँच लगे होंगे। परीक्षण के आरंभ में अभ्यर्थी को बड़े छिद्र से बत्तियों की शृंखला दिखाई जाएगी और उसे जैसे-जैसे वे आती हैं, उनका रंग बताना होगा। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि यह बत्ती बिल्कुल सफेद न हो यदि अभ्यर्थी गलती से इसे लाल रंग की बताता है तो उसे तुरंत बाद लाल रंग की बत्ती दिखाकर इन दोनों के बीच के भेद की ओर ध्यान दिलाया जाएगा।
- (ख) बड़े छिद्र से होकर कर्द बत्तियाँ दिखाने के बाद दो छोटे छिद्रों से 4 सर्किट और एक खंडित सर्किट तैयार करके अभ्यर्थी को दिखाया जाएगा और उसे बायें से दायें दो बत्तियों के प्रत्येक सेट का रंग बताने को कहा जाएगा।

(8) उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण होना—

- (1) अक्षर परीक्षण उत्तीर्ण करने के बाद यदि अभ्यर्थी लालटेन परीक्षण में कोई गलती नहीं करता है तो यह माना जाएगा कि वह संपूर्ण परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है और परीक्षक उसे इस आशय का प्रमाणपत्र जारी करेगा।

- (2) यदि लालटेन के बड़े छिद्र के माध्यम से अभ्यर्थी हरे को लाल या लाल को हरा कहता है तो उसे लालटेन परीक्षण में असफल माना जाएगा।
- (3) यदि कोई अभ्यर्थी लालटेन परीक्षण में कोई अन्य गलती करता है जैसे, सफेद को लाल या लाल को सफेद कहता है या हरे और सफेद में भ्रमित हो जाता है तो उसका मामला मुख्य परीक्षक के पास भेजा जाएगा तथा उसे यह जानकारी दी जाएगी कि सफेद में भ्रमित हो जाता है तो उसका मामला मुख्य परीक्षक के पास भेजा जाएगा तथा उसे यह जानकारी दी जाएगी कि उनकी सफलता या असफलता या फिर से परीक्षण के लिए उपस्थित होने के बारे में परीक्षक के निर्णय की सूचना उसे सम्यक् अनुक्रम में दी जाएगी। मुख्य परीक्षक का निर्णय प्राप्त होने तक अभ्यर्थी को सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा में बैठने की अनुमति इस आधार पर दी जाएगी कि दृष्टि परीक्षण में अनुत्तीर्ण होने पर उसकी यह परीक्षा रद्द मानी जाएगी। ऐसे प्रत्येक मामले में परीक्षक अभ्यर्थी को यह सूचित करेगा कि यह सफल रहा है या असफल अथवा उसके मामले पर विशेष विचार किया जा रहा है।

(9) असफल अभ्यर्थियों का पुनः परीक्षण—

जो अभ्यर्थी स्थानीय लालटेन परीक्षण में असफल हो जाता है, उसका स्थानीय स्तर पर फिर से तब तक परीक्षण नहीं किया जाएगा, जब तक मुख्य परीक्षक इस आशय का निदेश नहीं देता है। अभ्यर्थी को जारी प्रमाणपत्र में यह अधिकथित होगा कि क्या उसका स्थानीय परीक्षण किया जाये अथवा नहीं।

भाग—3

(10) विशेष परीक्षण ----- निर्दिष्ट मामले :—

जब किसी अभ्यर्थी का मामला उप पैरा 11 (2) के उपबंधों के अधीन मुख्य परीक्षक को निर्दिष्ट किया जाता है तो मुख्य परीक्षक उसकी विशेष परीक्षा की व्यवस्था कर सकता है। ऐसे किसी मामले में विशेष परीक्षण के लिए कोई अतिरिक्त फीस नहीं ली जाएगी।

(11) अपील :—

- (1) स्थानीय लालटेन परीक्षण में अनुत्तीर्ण होने पर अभ्यर्थी पुनरीक्षण के लिए आवेदन कर सकता है। ऐसे प्रत्येक मामले में मुख्य परीक्षक, परीक्षकों के विशेष निकाय से अभ्यर्थी का परीक्षण कराने की व्यवस्था करेगा।
- (2) ऐसा प्रत्येक अपीलकर्ता परिशिष्ट में विहित फीस का संदाय करेगा यदि वह अपील परीक्षा जिसमें उत्तीर्ण घोषित किया जाता है तो उसे वापस लौटा दिया जाएगा।

(12) परीक्षा बोर्ड—विशेष एवं अपील परीक्षाएं ऐसे बोर्ड द्वारा ली जाएंगी जिसमें मास्टर्स एवं मेटों का मुख्य परीक्षक या उसके नाम निर्देशित और मुख्य परीक्षक द्वारा नियुक्त दृष्टि पर विशेषज्ञ परामर्शदाता शामिल होंगे।

(13) परीक्षा के बारे में सूचना :—

परीक्षा बोर्ड द्वारा जब किसी विशेष या अपील परीक्षा का आयोजन किया जाये तो मुख्य परीक्षक ऐसी परीक्षा की तिथि एवं समय के बारे में अभ्यर्थी को पर्याप्त अग्रिम सूचना देगा।

(14) समय पर उपस्थिति :—

- (1) प्रत्येक अभ्यर्थी मुख्य परीक्षक द्वारा यथास्थिति विशेष या अपील परीक्षा की तिथि एवं समय के बारे में सूचना की प्राप्ति की अभिस्वीकृति भेजेगा। यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित होने में असमर्थ है तो वह तुरंत अपनी असमर्थता और इसके कारणों की सूचना मुख्य परीक्षक को देगा मुख्य परीक्षक यदि दिए गए कारणों से संतुष्ट है तो परीक्षा के कार्यक्रम में परिवर्तन करके अभ्यर्थी को परीक्षा की संशोधित समय सारणी के बारे में सूचना देगा।
- (2) यदि कोई अभ्यर्थी जिसे पैरा 13 के अधीन मुख्य परीक्षक को निर्दिष्ट किया गया है नियत तिथि और समय पर परीक्षा के लिए उपस्थित नहीं होता है तो मुख्य परीक्षक उसकी विशेष परीक्षा अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित कर सकता है।
- (3) यदि कोई अभ्यर्थी जिसमें पैरा 14 के अधीन अपील की है नियत तिथि और समय पर परीक्षा के लिए उपस्थित नहीं होता है तो उसके द्वारा दी गई फीस जब्त कर ली जाएगी बोर्ड, उसके पैरा 11 के अधीन और फीस का संदाय करने पर किसी अन्य तिथि को उसकी परीक्षा की व्यवस्था कर सकेगा।

(15) असफलताएं—

- (1) उप पैरा 10 या 11 के अधीन बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने वाला अभ्यर्थी दृष्टि में परीक्षण के बाद यदि ऐसा स्थायी दोष पाया जाता है, जो उसे समुद्री वृत्ति के लिए अस्वस्थ ठहराता है तो ऐसे अभ्यर्थी को अंतिम रूप से अस्वीकृत कर दिया जाएगा और भविष्य में कभी भी दृष्टि परीक्षण के लिए उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी—परन्तु बोर्ड द्वारा लिये गए परीक्षण में असफल घोषित किया गया अभ्यर्थी उप पैरा 16 के उपबंधों के अधीन उसकी ओर से नेत्र सर्जन की मौजूदगी में पुनः परीक्षण के लिए आवेदन कर सकता है।
- (2) कोई अभ्यर्थी परीक्षण में असफल हुआ है, किन्तु आँख में कोई स्थायी दोष न पाये जाने के कारण उसे अंतिम रूप से अस्वीकृत नहीं किया गया है तो वह समुचित फीस का संदाय करने पर परीक्षा की तारीख से तीन माह के बाद उप पैरा 11 के अधीन अपीलकर्ता के रूप में या पैरा 16 के अधीन पुनः परीक्षण के लिए बोर्ड को आवेदन कर सकता है।

(16) पुनः परीक्षण :—

पुनः परीक्षण के लिए बोर्ड को आवेदन करने वाला कोई अभ्यर्थी परिशिष्ट 1 में विहित फीस का संदाय करेगा। यह फीस अभ्यर्थी को लौटायी नहीं जाएगी, चाहे वह अंतिम रूप में सफल हो या असफल।

टिप्पण— ऐसे सभी अभ्यर्थियों को जो कृत्रिम साधनों के साथ दृष्टि परीक्षण में उत्तीर्ण होते हैं, यह सलाह दी जाती है कि वे समुद्र में और पत्तन पर निगरानी कर्तव्यों का पालन करते समय ऐसे साधनों का प्रयोग करें और आपात स्थिति में प्रयोग के लिए सदा ठीक रूप से सुधारित एक चश्मा अवश्य साथ रखें।

- (17) दृष्टि परीक्षण का आवेदन पत्र का प्ररूप, प्ररूप इ एस टी, दृष्टि परीक्षण प्रमाणपत्र का प्रारूप और प्ररूप एस टी सी क्रमशः पृष्ठ (42 से 45) पर दिए गए हैं।

18. ऊँचाई एवं वजन—नये अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम अपेक्षाएं वजन 48 कि. ग्रा. (105 पौंड) ऊँचाई एवं उम्र के अनुपात में 10/वजन स्वीकार्य है औसत मान पर दिए गए हैं।

लक्षद्वीप, अमीनदीवी, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, और अन्य पर्वतीय क्षेत्रों जिनमें नागालैंड, मिजोरम, मेघालय, अरुणा प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गढ़वाल, असमी भी सम्मिलित हैं अभ्यर्थियों के मामले में अभ्यर्थी की ऊँचाई 5 सें. मी. (2 ") तक कम की जा सकती है तथा अपुनात के अनुसार न्यूनतम वजन 45 कि. ग्रा. (100 पौंड) होना चाहिए।

व्यस्कों की ऊँचाई एवं वजन

ऊँचाई (बिना जूतों के)				पौण्ड और किलोग्राम में औसत वजन (भीतरी कपड़ों सहित)													
				17-19 वर्ष		20-24 वर्ष		25-29 वर्ष		30-39 वर्ष		40-49 वर्ष		50-59 वर्ष		60-69 वर्ष	
पुरुष	फुट	इंच	सेमी.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.
	5	1	155	119	54	128	58.1	134	60.8	137	62.1	140	63.5	142	64.6	139	63
	5	2	157.5	123	55.8	132	59.9	138	62.6	141	64	144	65.3	145	65.6	142	64
	5	3	160	127	57.6	136	61.7	141	64	145	65.8	148	67.1	149	67.6	146	66
	5	4	162.6	131	59.4	139	63	144	65.3	149	67.6	152	68.9	153	69.4	150	68
	5	5	165.1	135	61.2	142	64.4	148	67.1	153	69.4	156	70.8	157	71.2	154	69
	5	6	167.6	139	63	145	65.8	151	68.5	157	71.2	161	73	162	73.5	159	72
	5	7	170.2	143	64.9	149	67.6	155	70.3	161	73	165	74.8	168	75.3	163	73
	5	8	172.7	147	66.7	153	69.4	159	72.1	165	74.8	169	76.7	170	77.1	168	76
	5	9	175.3	151	68.5	157	71.2	163	73.9	170	77.1	174	78.9	175	79.4	173	78
	5	10	177.8	155	70.3	161	73	167	75.8	174	78.9	178	80.8	180	81.6	178	80
	5	11	180.3	160	72.6	166	75.3	172	78	179	81.2	183	83	185	83.9	183	83
	6	0	182.9	164	74.4	170	77.1	177	80.3	183	83.6	187	84.8	189	85.7	188	85.3
	6	1	185.4	168	76.2	174	78.9	182	82.6	188	85.3	192	87.1	194	88	193	87.5
	6	2	188	172	78	178	80.0	186	84.4	193	87.5	197	89.4	199	90.3	198	89.8
	6	3	190.5	176	79.8	181	82.5	190	86.2	199	90.3	203	92.1	205	93	204	92.5

ऊँचाई (बिना जूतों के)

पौण्ड और किलोग्राम में औसत वजन (भीतरी कपड़ों सहित)

			17-19 वर्ष			20-24 वर्ष		25-29 वर्ष		30-39 वर्ष		40-49 वर्ष		50-59 वर्ष		60-69 वर्ष	
महिला	फुट	इंच	सेमी.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.	पौंड	किग्रा.
	4	10	147.3	102	46.3	105	47.6	110	49.9	117	53.1	124	56.2	127	57.6	129	58.5
	4	11	149.9	105	47.6	108	49	113	51.3	120	54.4	127	57.6	130	59	131	59.4
	5	0	152.4	109	49.4	112	50.8	116	52.6	123	55.8	130	59	133	60.3	134	60.8
	5	1	154.9	113	51.3	115	52.2	119	54	126	57.2	133	60.3	136	61.7	137	62.1
	5	2	157.5	116	52.6	118	53.5	122	55.3	129	58.5	136	61.7	140	63.5	141	64
	5	3	160	120	54.4	121	54.9	125	56.7	132	59.9	140	63.5	144	65.3	145	65.8
	5	4	162.6	124	56.2	125	56.7	129	58.5	135	61.2	143	64.9	148	67.1	149	67.6
	5	5	165.1	127	57.6	129	58.5	133	60.3	139	63	147	66.7	152	68.9	153	69.4
	5	6	167.6	130	59	132	59.9	136	61.7	142	64.4	151	68.5	156	70.8	157	71.2
	5	7	170.2	134	60.8	136	61.7	140	63.5	146	66.2	155	70.3	160	72.6	161	73
	5	8	172.7	138	62.6	140	63.5	144	65.3	150	68	159	72.1	164	74.4	165	74.8
	5	9	175.3	142	64.4	144	65.3	148	67.1	154	69.9	164	74.4	169	76.7	—	—
	5	10	177.8	147	66.7	149	67.6	153	69.4	159	72.5	169	76.7	174	78.9	—	—
	5	11	180.3	152	68.9	154	69.9	158	71.7	164	74.4	174	78.9	180	81.6	—	—

सर्वांगपूर्ण शरीर के वजन का चार्ट

ऊँचाई (मी.)	वजन (किग्रा.)		महिला		पुरुष	
			प्रतिग्राह्य श्रेणी	स्थूल	प्रतिग्राह्य श्रेणी	स्थूल
1.45			42—53	64		
1.48			42—54	65		
1.50			43—55	66		
1.52			44—57	68		
1.54			44—58	70		
1.56			45—58	70		
1.58			46—59	71	51—64	77
1.60			48—61	73	52—65	78
1.62			49—62	74	53—66	79
1.64			50—64	77	54—67	80
1.66			51—65	78	55—69	83
1.68			52—66	79	56—71	85
1.70			53—67	80	58—73	88
1.72			55—69	83	59—74	89
1.74			56—70	84	60—75	90
1.76			58—72	86	62—77	92
1.78			59—74	89	64—79	95

वजन (किग्रा.)	महिला	पुरुष
ऊँचाई (मी.)	प्रतिग्राह्य श्रेणी	स्थूल
1.80		65—80
1.82		66—82
1.84		67—84
1.86		69—86
1.88		71—88
1.90		73—90
1.92		75—93
112		

बिना जूते के ऊँचाई, भीतरी कपड़े सहित वजन, स्थूलता संबंधी फोगार्टी सेंटर सम्मेलन, 1973 (ब्रे, 1979) की सिफारिश और ओरिजिनल मेट्रोपोलिटन जीवन बीमा सारणी, (1959) पर आधारित।

उपाबंध "ग"

प्ररूप इ एस टी

चक्रानुक्रम सं.

(केवल कार्यालय के उपयोग के लिए)

दृष्टि परीक्षण के लिए आवेदन

- (अ) (1) परीक्षा स्थल
- (2) (क) उपनाम (स्पष्ट अक्षरों में)
- (ख) पूरा नाम (अभिलेखों के अनुसार स्पष्ट अक्षरों में)
- (3) स्थायी पता—
- (4) डिस्चार्ज पुस्तिका सं० (यदि कोई हो)
- (5) राष्ट्रीयता
- (6) जन्म की तारीख
- (7) जन्म-स्थल
- (8) ऊँचाई (सेमी.)
- (9) (i) आँखों का रंग
- (ii) बालों का रंग
- (10) रूप-रंग
- (11) व्यक्तिगत निशान

- (12) रैंक (यदि समुद्री पर सेवारत हो)
- (13) यदि समुद्र सेवा के लिए जाने वाला हो तो—
- (क) कम्पनी का नाम
- (ख) हैसियत
- (14) (क) पूर्ववर्ती दृष्टि-परीक्षण की तारीख
- (ख) परिणाम : सफल/असफल

अभ्यर्थी की घोषणा :—

“मैं, यह घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त विवरणित विशिष्टियाँ मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और सत्य हैं। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि स्तंभ 14 में विवरणित के अलावा किसी भी वाणिज्यिक समुद्री बेड़ा विभाग में मेरी दृष्टि-परीक्षा नहीं हुआ है। मैं दृक शक्ति के लिए सहायक साधनों का प्रयोग करता हूँ/नहीं करता हूँ”।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

उपरोक्त घोषणा पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

मास्टर और मेट के परीक्षक
वाणिज्यिक समुद्री बेड़ा विभाग
जिला

(ब) दृष्टि परीक्षण में परीक्षा के लिए फीस रु० प्राप्त हुआ।

तारीख
स्थान

हस्ताक्षर

(स) परीक्षक का प्रमाणपत्र (उपरोक्त वर्णित आवेदक का)

मैं, प्रमाणित करता हूँ कि/वाणिज्य पोत परिवहन (मास्टरों और मेटों की परीक्षा) नियम के परिशिष्ट “छ” के उपबंधों के अधीन दृष्टि-परीक्षण में परीक्षा किया गया था।

परीक्षण के निम्नलिखित परिणाम* थे :

दृक शक्ति की सहायता से/के बिना	स्वरूप	रंग	परिणाम
मानक			
नए प्रविष्टि			
(1) उसकी दृक शक्ति सहायक साधन सहित कभी भी परीक्षा किया जा सकता है।			
(2) उस वर्ग एक मास के समाप्ति के बाद परीक्षा किया जा सकता है।			
(3) उसकी मुख्य परीक्षक के पूर्विक अनुमोदन के बिना दुबारा पुनः परीक्षा नहीं किया जा सकता है।			

टिप्पण : यदि वह असफल हो जाता है या अगली सलाह के लिए सौंप दिया जाता है तो उस आवेदन पत्र की एक प्रति ब्यौरेवार सहित मुख्य परीक्षक के लिए अग्रेषित कर दिया जाएगा।

जो लागू न हो उसे काट दें।

*यदि जांच न की गई हो तो “जांच नहीं की गई” लिखें।

सारणी-ख—1/9
सेवाकालीन न्यूनतम दृष्टि मानक

एस टी सी डब्ल्यू कन्वेंशन विनियम	समुद्रगामक की श्रेणी	दूर दृक शक्ति		पास/निकट की दृक शक्ति	दृष्ट-परिधि	रतौंधी	दिदृष्टिता (दो दृक-शक्ति)
		एक आंख में	दूसरी आंख में	सहायक साधन सहित या रहित दोनों आंखों में एक साथ			
I/II	मास्टर, डेक अधिकारी			पोत-नौचालन के लिए अपेक्षित दृक शक्ति	सामान्य दृश्य-परिधि	बिना किसी जोखिम के अंधेरे में सभी आवश्यक कृत्यों को पूरा करने के लिए अपेक्षित दृक शक्ति	कोई महत्व-पूर्ण सुस्पष्ट शर्त नहीं
II/1	और रेटिंग जिनसे			(जैसे, चार्ट और जो प्रकाशन संदर्भ, पुल उपकरणों और उपस्कर के प्रयोग और नौचालन में सहायक साधनों की पहचान)			
II/2	इयूटी पर सतर्क रहने						
II/3	के लिए अपेक्षा किया						
II/4	गया है।						
	सं० साधन सहित	0.5 (6/12)	0.5 (6/12)				
	सं० साधन रहित	0.1 (6/60)	0.1 (6/60)				
I/II	इंजन कक्ष निगरानी के			सामीत्य बंद उपकरणों को समझने, उपस्करों को चलाने और यथावश्यक प्रणालियों/घटकों को पहचानने के लिए अपेक्षित दृक शक्ति	पर्याप्त दृष्ट-परिधि	बिना जोखिम के अंधेरे में सभी आवश्यक कृत्यों को पूरा करने के लिए अपेक्षित दृक शक्ति	कोई महत्व-पूर्ण सुस्पष्ट शर्त नहीं
II/1	लिए सभी इंजीनियर						
III/2	अधिकारी और रेटिंग						
III/3							
III/4							
	सं० साधन सहित	0.4 (6/15)	0.4 (6/15)				
	सं० साधन रहित	0.1 (6/60)	0.1 (6/60)				

टिप्पणी : स्नेलैन दशमिक अंकन पद्धति में मान दिए गए हैं।

अनभिज्ञात नेत्र-दोष की जोखिम कम करने के लिए एक आंख में 0.7 (6/9) के न्यूनतम मान की सिफारिश की जाती है।

I/II	रेडियो अधिकारी एवं	सामीत्य बंद उपकरणों को समझने, उपस्करों को चलाने और यथावश्यक प्रणालियों/घटकों को पहचानने के लिए अपेक्षित दृक शक्ति	पर्याप्त दृक-परिधि	बिना जोखिम के अंधेरे में सभी आवश्यक कृत्यों को पूरा करने के लिए	कोई महत्व-पूर्ण सुस्पष्ट शर्त नहीं
I/2	विद्युत/इलैक्ट्रानिक अधिकारी				

एस टी सी डब्ल्यू कन्वेंशन विनियम	समुद्रगामक की श्रेणी	दूर दृक शक्ति		पास/निकट की दृक शक्ति		दृश्य- परिधि	रतौंधी	दिदृष्टिता (दो दृक- शक्ति)
		एक आंख में	दूसरी आंख में	सहायक साधन सहित या रहित दानों आंखों में एक साथ				
								अपेक्षित दृक शक्ति
	सं० साधन सहित	0.4 (6/15)	0.4 (6/15)					
	सं० साधन रहित	0.1 (6/60)	0.1 (6/60)					

टिप्पणी : स्नेलैन दशमिक अंकन पद्धति में मान दिए गए हैं।

उपाबंध "घ"

प्रपत्र एस टी सी
रोटेशन सं.

दृष्टि परीक्षण प्रमाण-पत्र

पूरा नाम.....

जन्म की तारीख..... जन्म-स्थल.....

रैंक..... ऊँचाई (सेमी.).....

आंखों का रंग..... बालों का रंग.....

रूप-रंग..... व्यक्तिगत निशान.....

मैं प्रमाणित करता हूँ कि परीक्षा का परिणाम निम्नानुसार है *—

	दृक शक्ति के लिए सहायक साधन	प्रपत्र	रंग	परिणाम
मानक	+सहित/रहित			
नये उम्मीदवार	बिना			

- (1) उसकी दृक शक्ति की सहायक साधन सहित कभी भी परीक्षा किया जा सकता है।
- (2) उसकी एक मास की समाप्ति के बाद परीक्षा किया जा सकता है।
- (3) उसकी मुख्य परीक्षक के पूर्विक अनुमोदन के बिना दुबारा पुनः परीक्षा नहीं किया जा सकता है।

19..... के दिन जारी।

परीक्षक के हस्ताक्षर जिला

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

टिप्पण : *यदि जांच न की गई हो तो "जांच नहीं की गई" लिखें।

जो लागू न हो उसे काट दें।

यह प्रमाणपत्र उपर्युक्त तारीख से छह मास के लिए विधिमान्य है।

उपाबंध ड

गोपनीय

प्रपत्र : मेक्स

समुद्रगामक की चिकित्सीय परीक्षा
अनुमोदित चिकित्सीय परीक्षक द्वारा चिकित्सीय परीक्षा की रिपोर्ट

वैयक्तिक ब्यौरे

पूर्व चिकित्सा वृत्त

क्या समुद्रगामक को निम्नलिखित में से कोई चिकित्सा पूर्ववृत्त हुई थी ?

नाम
(उपनाम, प्रथम नाम, मध्य नाम आद्यक्षर)

हाँ

हाँ

यदि उत्तर हाँ में है तो मात्रा विवरण दें।

जन्म	उच्च रक्तचाप
तारीख	मस
वर्ष	उच्च रक्तचाप
राष्ट्रीयता	पुरुष
महिलाएं	नेत्र दोष/चश्मे
रैंक/रेटिंग/व्यवसाय	कांटेक्ट लेंस
पोत का वर्तमान प्रकार एवं	पेट /आंत का
मार्ग	रोग
डिस्चार्ज पुस्तिका, पासपोर्ट	श्रवण शक्ति में
पहचान पत्र की संख्या	हासित
कार्यालय का पता	चर्म रोग
	हृदय स्थिति
	गठिया-प्रस्त
	ज्वर दमा/श्वसनी
	शोथ
	परागज ज्वर/एलर्जी
	इंटेरो वाइरस स्नायु
	संबंधी/मानसिक बीमारी
	पीलिया/यकृत की रोग
	जनन/मूत्रीयगड़बड़
	पीठ में चोट/दर्द
	हर्निया
	मधुमेह
	संक्रामक/संसर्गज/उष्णकटि-
	बंधीय/दुर्दम रोग
	असाध्य रोग
	माइग्रेन/तीव्र
	सिरदर्द
	सिर में चोट/शिराधात
	फ्रैक्चर/विस्थापन
	शिराएं नाड़ी
	बवासीर
	स्त्री-रोग

	हाँ	हाँ	यदि उत्तर हाँ में है तो मात्रा विवरण दें।
तंबाकू सेवन (मात्रा)	
मदिरा सेवन (मात्रा)	
अन्य बीमारियाँ	
शल्य क्रिया	

चिकित्सा परीक्षा

क्या नाविक किसी अग्रसामान्यता से प्रस्त है ? कृपया सही खाने में निशान लगाएं और यथावश्यक विस्तारित करें।

हाँ नहीं

दाँत
कान/नाक/गला
चर्म
हृदय
फेफड़े
तांत्रिका प्रणाली
शिरा/नाड़ी
जननमूत्रीय प्रणाली
हार्निया
अन्य कोई दोष

शारीरिक परीक्षण

ऊँचाई सेमी. वजन किग्रा. नाड़ी गति रक्त दाब मिमी. डायर
टिप्पण :
प्रयोगशाला मूत्र परीक्षण : एलब्यूमिन रक्त लाल रक्त कण
शर्करा श्वेत रक्त कण
अवसादन दर

ई. सी. जी.

छाती का एक्स-रे

श्रवण-शक्ति	सामान्य	बाँयी कान मी.	फुसफुसाहट बाँयी कान मी.
		दाँयी कान मी.	दाँयी कान मी.
आडियोग्राम	बायाँ कान	किलो हर्ट्ज	500 1000 2000 3000
	दायाँ कान	किलो हर्ट्ज	500 1000 2000 3000
		डेसीबल	
		डेसीबल	

दृष्टि परीक्षण

दूर दृष्टि (दशमलव में)	साधन रहित	बायीं	साधन सहित	बायीं	दोनों	साधन सहित
रंग-दृष्टि	इशियारा	दायीं		दायीं	आंख	साधन रहित
	प्लेट	सामान्य				
		अपसामान्य				
परीक्षण नहीं किया गया	अन्य विधि (नाम लिखें)	सामान्य				
		अपसामान्य				

चिकित्सा परीक्षा का परिणाम (सही खाने में निशान लगाएँ)

समुद्री सेवा मानकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वस्थता

पाई गई

नहीं पाई गई

मूल्यांकन : ड्यूटी के लिए स्वस्थ

ड्यूटी के लिए अस्वस्थ

स्थायी

अस्थायी

..... दिन/सप्ताह/माह में पुनः परीक्षा की जाए।

जिन परीक्षणों/परामर्शों/स्वास्थ्य लाभ आदि
की सिफारिश की गईचिकित्सक की
शासकीय मोहरचिकित्सक
के हस्ताक्षर**उपाबंध-"च"****समुद्र में सेवा के लिए चिकित्सा प्रमाणपत्र**

(समुद्रगामक का अंतिम नाम, प्रथम नाम एवं मध्य आद्याक्षर)

(मुद्रित या टाइप किया हुआ)

.....की

(डिस्चार्ज पुस्तिका, पासपोर्ट या अन्य विधिमान्य पहचान, अभिलेख की संख्या और अभिलेख का प्रकार)

..... द्वारा जाँच

(चिकित्सक परीक्षक का नाम)

की गई और उन्हें समुद्री सेवा में.....

.....

..... कार्य के लिए स्वस्थ पाया गया।

उनके आँखों के रंग की जाँच की गई नहीं की गई :

उन्हें निगरानी कर्तव्य के लिए स्वस्थ पाया गया

स्वस्थ नहीं पाया गया।

[परीक्षा की तारीख, स्थान (नगर और देश)]

(चिकित्सक परीक्षक के हस्ताक्षर)

(प्रमाणपत्र का क्रम संख्या)

यह प्रमाण-पत्र तक विधिमान्य है।

.. (तारीख, मास, वर्ष)

शासकीय मोहर

उपाबंध-"छ"

गोपनीय

प्रपत्र—मेक्स

समुद्रगामक की चिकित्सा परीक्षा**भाग 1****परीक्षार्थी द्वारा की जाने वाली घोषणा**

नाम

(उपनाम)

(प्रथम नाम)

(मध्य नाम)

जन्म-तारीख

(राज्य/देश)

घर का पता -----

रैंक/रेटिंग/व्यवसाय-----

पासपोर्ट/सी डी सी/पहचान पत्र संख्या-----

पोत का प्रकार (कंटेनर/बैंकर/यात्री/अन्य)-----

कार्यालय का पता-----

चिकित्सा वृत्त

क्या आप निम्नलिखित में से किसी से ग्रस्त रहे हैं ?

हाँ / नहीं

- | | |
|--|-------|
| 1. तीव्र सिर दर्द (एक तरफ) (माइग्रेन) | ----- |
| 2. सिर में चोट/शिराघात | ----- |
| 3. दृष्टि/दृक शक्ति दोष (कॉन्टैक्ट लेंस/चश्मा) | ----- |
| 4. उच्च/निम्न रक्त चाप | ----- |
| 5. कान/नाक/गले का दोष | ----- |
| 6. श्रवण-शक्ति में हासित | ----- |
| 7. दमा/श्वसनी शोथ/सिनुईटिस | ----- |
| 8. चक्कर आना/बेहोश होना (अचेतनता) | ----- |
| 9. मिर्गी का दौरा | ----- |
| 10. हृदय की स्थिति (एंजिना) | ----- |
| 11. गठिया ज्वर | ----- |
| 12. परागज ज्वर/एलर्जी | ----- |
| 13. चर्म रोग | ----- |
| 14. संक्रामक/संसर्गज रोग | ----- |
| 15. पेट/आंत का रोग | ----- |
| 16. रक्त की खराबी | ----- |
| 17. पीलिया/यकृत की बीमारी | ----- |
| 18. मधुमेह | ----- |
| 19. थायरॉइड बीमारी | ----- |
| 20. मूत्राशय में पथरी/गुर्दे में दोष | ----- |
| 21. हर्निया/उण्डुक शोथ | ----- |
| 22. जनन/मूत्रीय गड़बड़ | ----- |
| 23. गर्भ/स्त्री रोग | ----- |
| 24. निद्रा की गड़बड़ | ----- |

हाँ / नहीं

25. स्नायु संबंधी/मानसिक बीमारी

26. स्मरण शक्ति का ह्रास

27. मनोरोग

28. अवसाद

29. शिरा नाड़ी/बवासीर

30. पीठ में चोट/दोष/डिस्क खिसकना

31. फ्रैक्चर/विस्थापन

32. प्रतिबंधित गतिशीलता (किसी भाग की)

33. अंगोच्छेदन (कोई)

34. धूम्रपान/तंबाकू सेवन (मात्रा)

35. मदिरा सेवन (मात्रा)

(म) यदि उपर्युक्त में से किसी प्रश्न का उत्तर "हाँ" में आता है तो कृपया उसके ब्यौरे दें, जैसे—कब और कहाँ उपचार किया गया? अवधि? जिसने इलाज किया हो उस चिकित्सक के बारे में विशिष्टियाँ (यदि जगह प्राप्त न हो तो अतिरिक्त पृष्ठ लगाएं)।

36. क्या आप किसी दुर्दम बीमारी से ग्रस्त हैं?

37. क्या आपको बीमारी के कारण कभी पोत से समय से पूर्व समाप्ति या प्रत्यावासित किया गया था?

38. क्या आपको कभी (कहीं भी) अस्पताल में भर्ती किया गया था?

39. क्या समुद्री सेवा के लिए कभी आपको अनुपयुक्त घोषित किया गया?

40. क्या आपके चिकित्सा-प्रमाणपत्र को सभी निर्विधित/प्रतिसंहत किया गया है?

41. क्या आपको मालूम है कि आप में कोई चिकित्सा समस्या, रोग रूग्णता है?

42. क्या आप स्वयं को नामनिर्दिष्ट पद/व्यवसाय के ड्यूटी को पूरा करने के लिए स्वस्थ और उपयुक्त महसूस करते हैं?

43. क्या आपको किसी औषध से एलर्जी है?

(य) यदि उपर्युक्त में से किसी प्रश्न का उत्तर हाँ है तो ऊपर "म" के बारे में पूरा ब्यौरे दें।

44. क्या आप नुस्खा होने पर/नुस्खे के बिना कोई औषध ले रहे हैं? यदि हाँ, तो ऊपर "म" के बारे में ब्यौरे सहित उसकी मात्रा तथा उद्देश्य का उल्लेख करें।

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त वैयक्तिक घोषणा मेरे सर्वोत्तम ज्ञान से सही कथन है।

पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में)-----हस्ताक्षर-----

तारीख-----स्थान-----समय-----

मैं किसी भी स्वास्थ्य वृत्तिक स्वास्थ्य संस्था और लोक प्राधिकारी को, जिन्होंने मेरा उपचार किया है, मेरे बारे में सभी पूर्विक चिकित्सा अभिलेख, डा.----- (कंपनी का अनुमोदित चिकित्सा परीक्षक) को सौंपने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

पूरा नाम :-----हस्ताक्षर-----

पासपोर्ट/सी डी सी सं. :

तारीख-----समय-----स्थान-----

[फा. सं. एस. आर.-11012/2/99-एमए]

एम. रामचन्द्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT**(Department of Shipping)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th January, 2000

G.S.R. 57(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 98 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Medical Examination) Rules, 2000.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.**—(1) In these rules, unless the context otherwise requires.—

(a) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);

(b) "Annexure" means Annexure appended to these rules,

(c) "Medical examiner" for the purpose of medical examination prior to first engagement of a seaman means a medical examiner approved under rules 4 and for the purpose of pre-sea training or any subsequent medical examination of a seaman means a medical officer having a recognised medical qualification as defined in clause (h) of section 2 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and designated as a medical officer of the training institute or the owner or agent of the Shipping Company, as the case may be, and approved by the Central Government for that purpose;

(d) "Prescribed Standards" means the standards of physical fitness as set out in Annexure "B";

(2) Words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. **Application.**—These rules shall apply to,—

(a) Masters, officers and ratings; and

(b) Seafarers employed or engaged in any capacity on board ship on the business of that ship as part of the ship's complement.

4. **Approval of Medical Examiner.**—The Central Government shall appoint such numbers of medical examiners at such ports or places, as it thinks fit for the purpose of sub-section (2) of section 98 of the Act

5. **Medical Examination.**—(1) Every seaman, prior to his registration in the Seamen's Employment Office shall appear before the medical examiner approved under rule 4 and obtain a certificate of physical fitness.

(2) At the time of engagement on board the ship the master or seaman, as the case may be, shall be examined by the medical examiner approved by the Central Government to be the medical examiner for the purpose of these rules.

6. **Arrangements for medical examination.**—(1) On being selected for pre-sea training for medical examination, the Director or the officer in-charge of the pre-sea training institute, after satisfying himself that the applicant is eligible, shall cause the particulars of the seaman namely full name, age, category, Continuous Discharge Certificate and passport number to be entered in a register kept for that purpose and shall fix a date, time and place for his medical examination and inform the medical examiner designated by the training institute and the applicant accordingly

(2) On selection of a master or seaman, as the case may be, for engagement on board the ship, the owner or agent of the ship shall cause the particulars of the seaman namely, full name, age, category continuous discharge certificate number, passport number and mark of identification to be furnished to the medical examiner and fix date, time and place for medical examination of the seaman in accordance with these rules.

7. **Appearance for medical examination.**—Every master or seaman, as the case may be referred to in rule 6 shall present himself before the medical examiner and produce his registration book and continuous discharge certificate, if held, at the appointed time and place for medical examination and at such subsequent dates and times as he may be required by the medical examiner.

8. **Conduct of medical examination.**—Every master or seaman appearing for medical examination shall complete the declaration in the examination report as set out in Annexure 'E' and be subjected by the medical examiner to such tests as may be considered necessary for determining his physical fitness in accordance with the prescribed

standards as laid down in Annexure 'B'. The medical examiner while conducting the medical examination shall be guided by the guidelines set out in Annexure 'A'.

9. Records of medical examination.—The medical examiner shall maintain a full record of the medical examinations conducted with copies of certificates of physical fitness issued and shall also send weekly returns to the Director, Seamen's Employment Office showing the result of the medical examination in respect of every master of seaman, as the case may be examined during the week as applicable. The date and result of the examination shall also be endorsed in the record under the heading additional endorsements.

10. Certificate of physical fitness.—(1) On completion of initial medical examination, the medical examiner shall issue to every seaman satisfying the prescribed standards, a certificate of physical fitness as set out in Annexures 'E' and 'F'.

- (2) In the event of a master or seaman as the case may be, failing to satisfy the prescribed standards due to any temporary defect, which in the opinion of the medical examiner is likely to be cured after treatment, the medical examiner shall issue to the master or seaman, as the case may be a certificate with the remarks "temporarily unfit" indicating the reasons for such unfitness and with the remarks that the seaman should come for re-examination after the cause of his temporary unfitness is cured.
- (3) A master or seamen, as the case may be, not satisfying the prescribed standards of physical fitness and found suffering from a disease or physical defect which, in the opinion of the medical examiner examining him, renders him permanently unfit for sea service, shall be given a certificate of permanent unfitness.

11. Records of results.—The Director of officer incharge of pre-sea training institute shall maintain a record of the results of Medical examinations in respect of seaman referred by him for medical examination.

12. Validity of certificate of physical fitness.—Subject to the provisions of sub-rule (2) of rule 5, a certificate of the physical fitness issued by the medical examiner shall remain valid till such time the master or seaman is found permanently unfit in any subsequent medical examination.

13. Appointment of the Appellate Authority.—(1) The Central Government may, by order in writing, constitute an Appellate Authority comprising of not less than three specialists in any branch of Medical Science.

- (2) The panel of specialists constituting the appellate authority shall be drawn by the Central Government in consultation with the representative organisations of shipowners and seafarers. No person in the employment of any owner or agent of a ship or of representative organisations of shipowners or of seafarers shall be empanelled in constituting such appellate authority.

14. Appeal against the decision of the medical examiner :—

- (1) A master or seaman may, within a period of sixty days from the date on which he is declared unfit by the medical examiner, appeal against such decision to the appellate authority through the Director, Seamen's Employment Office. Provided that an appeal may be admitted after the expiry of the period of sixty days if the appellant satisfies the appellate authority that he had sufficient cause for not making such appeal within the prescribed period.
- (2) Every appeal made under this rule shall be accompanied by a copy of the order appealed against.
- (3) On receipt of the appeal the Director, Seamen's Employment Office shall refer it to the appellate authority immediately and if ordered inform the seaman of the date, time and place of his examination by the appellate authority.
- (4) The appellate authority, before disposing of an appeal, shall give a reasonable opportunity of being heard to the appellant.
- (5) An appeal shall be disposed of as expeditiously as possible but within a period of sixty days from the date of filing of the appeal.
- (6) The appellate authority may confirm, modify or reverse the order, appealed against.
- (7) The decision of the appellate authority shall be binding on the seaman as well as owner or agent of the ship.
- (8) A seaman who has put in active service on ships for not less than five years, may apply to the Director, Seamen's Employment Office within a period of one year from the date on which the appellate authority had declared him permanently unfit for reviewing his case if he has obtained a certificate of

fitness from a medical specialist in that branch of medical science to which his ailment relates. Provided that the Director, Seamen's Employment Office may admit any such review application made after the said period of one year if he is satisfied that the seaman had sufficient cause for not making the application within the said period.

15. **Fees.**—Every application to the appellate authority under rule 14, shall be accompanied by a fee of one hundred rupees only.
- (2) A fee of one hundred rupees shall be charged from the master or seamen as the case may be for issue of a duplicate certificate of fitness.
16. **Repeal and savings.**—(1) The Indian merchant Shipping (Medical Examination) Rules, 1986 are hereby repealed.
- (2) All medical reports and certificates issued under the repealed rules shall be deemed to have been issued under the corresponding provisions of these rules.

[F. No. SR—11012/2/99 MA]

M. RAMACHANDRAN, Jt. Secy.

ANNEXURE—'A'

Conduct of Pre-Sea and Periodic Medical Fitness Examinations of Seafarers

1 Aspects of seafaring life which are relevant to medical examination of seafarers

The medical examiner should bear in mind the following aspects of shipboard life :

- As ships often operate far offshore or in inaccessible areas it is often difficult to replace seafarers who become injured or ill. Many ships have only the minimal number of persons on board necessary to operate the ship, thus the incapacitation of even one seafarer may place a substantial additional burden on his or her shipmates.
- Ship's officers generally receive basic first-aid and other medical training, and ships are usually equipped with basic medical supplies. Nevertheless, it is often quite difficult to transport sick or injured seafarers ashore where they can be treated by licensed physicians. In some geographical area, the closest medical care facilities ashore may be well below the standard of the seafarers' home country. It is therefore unadvisable and often unsafe to allow persons with certain medical conditions to become seafarers or to return to seagoing employment.
- Seafarers live close to each other at sea, often for long periods. Contagious diseases therefore may be a serious threat, endangering not only the health of other seafarers but also the safety of the ship and, where carried, passengers. It is particularly important that seafarers concerned with the preparation of food not suffer from conditions which may be transmitted to others through this work.
- Seafarers must be physically and psychologically fit to perform their normal duties correctly and to be able to respond to emergency situations (e.g., fighting fires, lowering lifeboats, assisting passengers, etc.) They should be able to adjust to continual vibration and the often violent motions of the ship, to be able to live and work in sometimes cramped spaces, to be able to climb ladders and to lift heavy weights and be able to withstand exposure to harsh weather conditions on deck or excessive heat in the machinery spaces. As they often travel by air to reach and return from their ships, they must not suffer from conditions which prohibit air travel.
- Seafarers should be able to live and work closely with the same people for weeks and perhaps months on end and under often stressful conditions. They must be capable of dealing effectively with isolation from family and friends and, in some cases, from persons of their own cultural background.

2. Type and frequency of medical examinations

There are two types of medical examinations.

- *Pre-sea* medical examinations, those conducted before a persons embarks upon a seafaring career; and
- *Periodic* medical examinations, those conducted either before a seafarer reports to a ship or at periodic intervals during the seafarer's career.

A medical certificate, signed by the medical examiner, is issued to seafarers who pass the examination. Without such a certificate seafarers are often prohibited from working on board ships.

A *Pre-Sea* medical examination provides an opportunity to prevent a person who should not, for health reasons apparent at the time, from embarking on a seafaring career. It is therefore more stringent in nature than a *periodic* examination, bearing in mind that the objective is to head-off an unhealthy or unwise career choice. By its very nature, this examination may occur only once, and it is very important that the medical examiner conducts it thoroughly.

A *Periodic* medical examination provides an opportunity to ensure that a seafarer remains fit for sea service by identifying medical conditions which may have developed since the seafarer entered the profession. It should be more flexible than the *Pre-Sea* examination, yet not so flexible as to permit unfit seafarers from returning to work at sea. Seafarers should be examined at least every two years and those above 40 years of age should be examined at least every year. If a seafarer has been incapacitated by illness or injury for 30 or more days, the medical examination should be repeated

3 The conduct of medical examinations

The following suggested procedures do not aim to replace the judgement or experience of the medical examiner. They will, however, serve as a tool to assist in the conduct of examinations. A Medical Examination Form (Form Mex) has been developed for this purpose. (Annex E)

1. The medical examiner should determine if the purpose of the examination is to determine if a person is fit for a seafaring career (Pre-Sea examination) or to determine if the person is fit to return to sea (Periodic examination) and conduct the examination accordingly.
2. The identity of the person to be examined should be verified. The number of his or her discharge book, passport or other relevant identity document should be entered on the examination form.
3. The examinee's intended position on board ship, and, as far as practicable, the physical and psychological requirements of this work, should be determined. The type of shipping operation (e.g., foreign, coastal or harbor service) and cargo type (container ship, chemical tanker, etc.) should also be considered as this information may lead to closer scrutiny or to less stringency in certain aspects of the examination.
4. The examinee's previous medical records, if available, should be reviewed.
5. Information should be collected directly from the examinee on his or her previous medical history. Point-by-point questions on the details of previous diseases and injuries should be asked and the results recorded. Details on other diseases or injuries not covered should also be recorded. After the information is collected, the examinee should sign the form to certify that it is a true statement.¹ (Annex E).
6. The examinee's weight, height, pulse rate and blood pressure should be measured and recorded. The results of laboratory tests, ECG, chest X-ray and (if necessary) other examinations should be checked and recorded.²
7. Hearing, eyesight and colour vision should be checked and recorded. Eyesight should be in compliance with the eyesight standards given in (item 16-Annex B)
8. The examinee's vaccination record should be examined. Advice should be given on immunisations. If new vaccinations are given they should be recorded on the International Certificate of Vaccination (See also paragraph 4 below).
9. The results of the examination should be recorded and assessed to determine if the seafarer is fit for the work envisioned to be undertaken. Annex I contains information on medical conditions which should be taken into account when considering whether a person is fit or currently unfit for work at sea, the age and experience of the person to be examined, the nature of the duties to be performed and the type of shipping operations and cargo should also be considered.
10. If the examinee is found fit for the work to be performed the medical certificate should be issued any restrictions concerning work should be reflected in the description of the work he or she is fit to undertake.
11. If the examinee is found temporarily "unfit" for service, and therefore is not to be granted a medical certificate, he or she should be given an explanation of the reasons.

Advice should be given on the need to make additional tests, to obtain opinions from specialists, to com-

¹An individual should not, however, bear the burden of proof concerning the consequences of physical or mental illness, past or present, on his/her fitness for work.

²If drug and alcohol testing is required, reference should be given to the Guiding Principles on Drug and Alcohol Testing Procedures for Worldwide Application in the Maritime Industry adopted by the Joint ILO/WHO committee on the Health of Seafarers (Geneva, 10-14 May, 1993).

plete dental or other treatment, to undergo rehabilitation, etc. The examinee should be informed when to return for another examination. He or she should be advised on the right to appeal and how an appeal can be made.

12. As appropriate, and if time permits, the seafarer should be counselled on life style (to limit alcohol intake; stop smoking, modify diet, lose weight, etc.), on the dangers and methods of prevention of HIV/AIDS and other venereal diseases. Printed health educational materials on drug and alcohol abuse prevention, smoking cessation, diet, HIV/AIDS prevention, etc. should also be provided, if available.¹
13. The Medical Examination Form should be clearly marked "CONFIDENTIAL" and be retained for at least 10 years in the health establishment where the health certificate was issued. The file should only be made available for medical purposes related to the performance of duties or the provision of medical care.
14. A copy of the Medical Examination Form should be given to the seafarer and the seafarer should be advised to bring it to the next medical examination or when he or she is treated for an illness or injury. If possible, a card indicating blood-type and other vital information may also be given to the seafarer to facilitate emergency treatment.
15. The serial number of the medical certificate should be recorded and the signed certificate should be given to the seafarer.

4. Vaccination requirements for seafarers

A. International Certificate of Vaccination

Seafarers should carry an International Vaccination Certificate indicating the type, and place and time given, of all vaccinations.

B. Obligatory vaccination for yellow fever

Some countries require a valid International Certificate of Vaccination for yellow fever. This requirement is often strictly enforced for persons arriving from Asia, Africa or South America. It is therefore recommended not only for health purposes but also to facilitate travel to, from and through countries from these regions. The vaccination certificate is only valid if it conforms with the WHO model, if the vaccine has been approved by the WHO, and if it is administered by an approved Yellow Fever Vaccination Centre. The period of validity of the certificate against yellow fever is 10 years, beginning 10 days after vaccination. If the person is revaccinated before the end of this period, the validity is extended for a further 10 years from the date of the vaccination. If the vaccination is recorded on a new certificate, the seafarer should be advised to retain the old certificate for 10 days while the new certificate becomes valid.

C. Non-obligatory voluntary immunizations for seafarers

These are immunizations that are not required for seafarers according to the International Health Regulations of the World Health Organization. Such immunizations are, however, recommended for seafarers and should be given on request. The following are recommended :

- *Viral Hepatitis Type A* (infectious hepatitis, epidemic hepatitis)
- *Viral Hepatitis Type B* (serum hepatitis)—When scheduling inoculation, medical examiners will need to bear in mind that doses are recommended at either 0, 1 and 6 month intervals or 0, 1 and 2 month intervals, with a booster at 12 months. Consideration must therefore be given to when the seafarer will be at sea and thus unable to receive the vaccine.
- *Tetanus*—Most seafarers will have immunized, however booster doses are required every 8-10 years. It is preferred that this vaccine be administered before the seafarer is on board ship, as the alternative (administering the antitetanus immune serum after an injury) may in some persons result in a dramatic and dangerous allergic reaction which could present a serious health risk at sea.
- *Polio*—Reimmunization, by a booster dose of the oral polio vaccine, is recommended every five years. Persons not previously immunized should be vaccinated with the full course of killed or inactivated (Salk) polio vaccine (IPV) prior to taking employment on ship. Medical examiners should bear in mind that the doses should be made in two, one-month intervals, plus one dose after 6-12 months. This may affect the scheduling of the seafarer's embarkment.

¹If the tests for HIV which may have been carried out in connection with the examination reveal a positive result, the seafarer should always be informed.

Annexure 'B'

MEDICAL CONDITIONS WHICH SHOULD BE CONSIDERED WHEN DECIDING WHETHER TO ISSUE MEDICAL CERTIFICATES TO SEAFARERS

The following medical conditions generally render a person unfit for work at sea. The medical examiner should consider with regard to the individual examinee whether such conditions render him or her unfit for the duties he or she is expected to perform and the shipping operation contemplated, and, if so, whether the condition or conditions may be remedied or sufficiently mitigated to allow such work. The medical examiner should not only consider the health and safety of the examinee but also the health and safety of other seafarers and passengers, as well as the safety of the ship. If a seafarer is granted a medical certificate while experiencing such conditions the exceptions should be justified and any restrictions should be clearly noted. The medical examiner should bear in mind that it is not possible to develop a comprehensive list of contra-indications but that this list may provide some guidance. It cannot replace sound medical judgement.

1 INFECTIOUS AND PARASITIC DISEASES

Acquired Immune Deficiency Syndrome (AIDS)

Enteritis, active

Hepatitis, active or chronic, within 6 months

Sexually transmitted diseases, active

Tuberculosis, active¹

Typhoid, active or carrier

Malaria

Lice

Scabies

Any other infectious or parasitic diseases in its communicable or carrier state which would present a health hazard to other crew members or passengers through casual contact.

2. MALIGNANT NEOPLASMS

Malignancies of any type which could be considered to disqualify a seafarer from until evaluated, Any malignancy currently receiving treatment renders a person unfit for work at sea.²

3. ENDOCRINE, NUTRITIONAL AND METABOLIC CONDITIONS AND IMMUNITY DISORDERS

AIDS

Adrenal insufficiency, uncontrolled

Diabetes Mellitus

Immunosuppressive therapy

Obesity, incapacitating

Thyroid disease

Abnormal liver or kidney functions

Any disease of the endocrinal glands

4. DISEASES OF THE BLOOD AND BLOOD FORMING ORGANS³

Anaemia, symptomatic

¹ The examining physician should take into account the advice of a chest physician, whether the lesion is fully healed and whether the patient has completed a full course of chemotherapy. Cases where either one or both lungs have been seriously affected are rarely suitable for re-employment.

² Exceptions may be appropriate for serving seafarers after treatment and without signs of recurrence.

³ Seafarers serving on board chemical bulk carriers should have their blood tested every 12 months. The tests should include liver function tests and leucocyte count and be evaluated by a medical examiner.

Myelodysplasia

Splenomegaly, symptomatic or not defined

There should be no significant disease of the haemopoietic system.

5. MENTAL DISORDERS

Active alcohol, substance abuse or dependence, if persistent and affecting health causing physical or behavioural disorder.

Acute psychosis, whether organic, schizophrenic or any other listed in the International

Classification of Diseases

Psychoneurosis major depression or mania

Dementia

Depression, active, requiring medication

Personality disorder, active⁴

6. CONDITIONS OF THE NERVOUS SYSTEM AND SENSE ORGANS

Ataxia, vertigo, active

Convulsive disorder, any

Epilepsy

Unsteadiness of gait

Impairment of central nervous system function, secondary or active medical disorders (diabetes, toxic reaction, thyroid disorders)

.....
Post concussion syndrome, active

Stroke

Tremors, active, interfering with fine motor function

Migraine, frequent attacks causing incapacity

Syncope and other disturbances of consciousness

Meniere's disease

Hearing loss, sudden or progressive, if sufficient to interfere with communication.⁵ (See also HEARING below)

Epistaxis, frequent

Sinusitis, recurrent, draining.

7. CONDITIONS OF THE CARDIOVASCULAR SYSTEM

Conditions requiring anticoagulant medication

Aortic aneurysm, Angina pectoris

Arrhythmia

Blood pressure, above 150/90 mmHg (in new candidates); 160/100 mmHg or above in serving seafarers under age 50 years; 175/100 mmHg in serving seafarers aged over 50 years; or blood pressure maintained below these levels by any antihypertension therapy without significant side-effects

Hypertension, treated, with medication needing close monitoring Pacemaker dependent.

Coronary bypass grafting

Coronary angioplasty

Pacemaker-dependency, Heart valvular disease

Claudication

Myocardial infarction, acute

⁴ Observation of acute manifestations of a psychiatric disorder will indicate the need for psychiatric evaluation.

⁵ The use of a satisfactory hearing aid at work could be considered only in catering staff. The hearing aid should be sufficiently effective to allow communication at normal conversational levels of sound. Serving radio and engineering officers should be given audiometric examinations during periodic medical examinations.

Other vascular disease, symptomatic

Any cerebrovascular accident, including transient ischaemic attacks

General cerebral arterosclerosis, including dementia and senility

Varicose veins, moderate degree, with recurrent symptoms; after operation, with symptoms; or not suitable for treatment

Chronic varicose ulcerations

Lacerant or persistent deep thrombosis or thrombophlebitis

Haemorrhoids, prolapsed, bleeding causing symptoms (unoperated)

Varicocele, with symptoms (unoperated)

8. CONDITIONS OF THE RESPIRATORY SYSTEM

Bronchial Asthma (Acute/Chronic)

Chronic bronchitis and/or emphysema : cases with recurring illness causing significant disability

Pneumothorax, spontaneous, within 12 months

Tumour

Pulmonary Koch's with less than 12 months treatment

CHEST-minimum 74 cm. (29 inches) with expansion range of 5 cm. (2 inches).

- (a) Chest should be well developed, well proportioned and there should be no evidence or history of Pulmonary Tuberculosis or other acute or chronic diseases of the lung, and/or the upper respiratory tract.
- (b) An X-Ray/Screening examination of the chest will be carried out in all cases and defect, disability which disqualify a candidate shall be recorded.
- (c) Candidate should be free from all diseases of respiratory system in all forms.
- (d) There shall be no deformity of chest which may cause impediment to breathing.
- (e) Lung Function : The resting respiratory rate should be below 20 per minute. The holding time should not be less than 30 seconds. The chest expansion should not be less than 5 cm. (2 inches). Seafarers who measure poorly in these tests, to be subjected to a Vitalometry test for a definite indication of lung function.

9. ORAL HEALTH

Mouth or gum infections, until treated

Dental defects, until treated (seafarers should be dentally fit)

Speech with impediments or loss of Speech

TEETH-The acceptance or rejection on account of loss or decay of teeth will depend on the relative position of the sound teeth and the physical condition of the seafarer. He/She must have sufficient number of teeth to enable him/her to masticate efficiently and on no account would artificial dentures be acceptable for sufficient mastication. In order to assess whether a candidate has sufficient number of teeth to masticate efficiently, the following guidelines are to be taken into consideration :

- a) Teeth which are not considered necessary for efficient mastication are allotted ONE POINT each and those essential TWO POINTS each. For instance, each incisor, canine, 1st and 2nd premolars will have a value of one point provided their corresponding lower teeth are present.
- b) Each 1st and 2nd molar and well developed 3rd molar will have a value of two points provided they are in good opposition to corresponding teeth in the lower jaw. In case the 3rd molar is not well developed, it will have a value of one point only.
- c) When all the 16 teeth are present in the upper jaw and in good functional opposition to corresponding teeth in the lower jaw, the total value will be 20 or 22 points according to whether the 3rd molars are well developed or not.
- d) The following teeth will be present in the upper jaw and in good functional opposition to corresponding teeth in the lower jaw :
 - Any 4 of the 6 anterior; and
 - Any 6 of the 10 posterior.
- e) Provided there are at least 14 dental points in the mouth, all these teeth must be sound and repairable. The minimum number of points required is 14.

- f) Seafarers with severe pyorrhea are to be rejected. If Pyorrhea is slight and teeth are otherwise sound, the seafarer may be accepted if, in the opinion of Dental doctor, he/she can be cured by normal dental treatment excluding extraction.

10. CONDITIONS OF THE DIGESTIVE SYSTEM

Abdominal Lump

Abscess, perirectal or abdominal, active

Appendicitis

Bleeding, rectal

Cholelithiasis, symptomatic within 6 months/Gall stones

Diarrhoea, active

Gastric or intestinal ulceration

Haematemesis, within 3 months

Hepatitis, active or chronic, within 6 months

Jaundice, current

Pancreatitis, active

Peptic ulcer disease in new candidates⁶

Cirrhosis of the liver, where the condition is serious or progressive and/or where complications such as esophageal varices or ascites are present.

Splenomegally

Hepatomegally

Fissure/Fistula in Ano (Unless operated)

Abscesses (Unless operated).

11. CONDITIONS OF THE GENITO URINARY SYSTEM

All cases of proteinuria, glycosuria, or other urinary abnormalities

Nephritis, acute, subacute, or chronic

Urinary obstructions, if not remediable

Renal or ureteric calculus, untreated

Removal of kidney⁷

Renal transplant

Renal insufficiency, active

Incontinence of urine, if irremediable

Prostatism with retention, untreated

Urethral discharge, active

Hydrocele, large and recurrent

Hernia—Direct & Indirect

Gynaecological conditions, acute or chronic, likely to cause trouble on the voyage or affect working capacity.

⁶In the case of serving seafarers, those with proven ulceration should not return to seafaring until they are free of symptoms. There should be gastroscopic evidence of healing and the seafarer should have been on ordinary diet, without treatment, for at least 6 months. Persons who have had gastro-intestinal bleeding, perforation, recurrent peptic ulceration (despite treatment) or complications after surgery should be classified as unfit for work on ship.

⁷Exceptions may be appropriate for serving seafarers.

12. PREGNANCY**13. CONDITIONS OF THE SKIN**

All infections of the skin, until satisfactorily treated

Acute eczema

Dermatoses, severe or uncontrolled

Manifestations of systemic disease (e.g. lupus, allergy).

Carcinoma

14. CONDITIONS OF THE MUSCULOSKELETAL SYSTEM

Seafarers should have no defect of the musculoskeletal system that could interfere with the discharge of their duties (muscular power, balance, mobility and coordination should be unimpaired). A limb prosthesis would not be acceptable.

15. HEARING

Candidates : unaided average threshold higher than 40db in both ears at 500, 1000, 2000 and 3000 hz and/or functional speech discrimination less than 90% at 55 db in both ears. Serving seafarers : unaided average threshold higher than 70 db in both ears at 500, 1000, 2000 and 3000 Hz and or functional speech discrimination less than 80% at 55 db in both ears.

EARS :

- (a) There should be no impaired hearing, discharge from or disease of either ear, unhealed perforation of the tympanic membrane or signs of acute or chronic supportive otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation, and no congenital malformation of the ear.
- (b) Should be able to hear a whisper at a distance of 5 metres on each side. No disease should be present. No hearing aid shall be permitted.

16. EYESIGHT

A. The standards for *Pre-Sea* medical examination are given below :

1. There should not be any degree of squint or any morbid condition of either eye or of the eyelids, pressure of trachome and iris complications sequela. Candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes). Movement of the eyeballs must be full in all directions and the pupils should react normally to light and accommodation.
2. Deck Department (including Deck and General-Purpose Crew)
Distance Vision (Unaided) 1.0⁸ (6/6) in better eye and
0.67⁸ (6/9) in other eye.
Normal colour vision (To be tested by Ishiara test chart)
In addition, Deck cadets and Deck Officers for certification upto Master are required to pass sight tests, conducted by Mercantile Marine Department as given in paragraph 17. below.
3. Engine Department (including Engine-room Crew)
Distance Vision (Unaided) : 0.5⁸ (6/12) in each eye; or
0.67⁸ (6/9) in better eye and
0.33⁸ (6/18) in other eye.
Normal colour vision (To be tested by Ishiara test chart)
4. Catering Department (including Bhandaries and Utility Hands)
Distance Vision (Unaided) : 0.33⁸ (6/18) in each eye; or
0.5⁸ (6/12) in better eye and
0.25⁸ (6/24) in other eye.
Normal colour vision (To be tested by Ishiara test chart)
5. Audio officers and electrical/electronic officer
Distance Vision (Unaided) : 0.5⁸ (6/12) in each eye; or
0.67⁸ (6/9) in better eye and
0.33⁸ (6/18) in other eye.
Normal colour vision (to be tested by Ishiara test chart)

⁸ Values given in Snellen Decimal Notation.

- B. The standards for *Periodic* medical examination are given in STCW 95, table B-1/9. A copy of the table is given on pages 21 and 22 for ready reference.

Persons requiring the use of spectacles or contact lenses to perform duties should have a spare conveniently available on board the ship. Any need to wear visual aids to meet the required standards should be recorded on each certificate and endorsement issued. Eyes of seafarers should be free of disease. Any permanent or progressing debilitating pathology without recovery should be cause for determination of unfitness.

17. SIGHT TESTS

PART I

1. **Letter Test :** The first test which the candidate shall have to undergo be the letter test conducted on Snellen's principle by means of sheets of letters. On each sheet the fifth, sixth and seventh lines correspond to standards 0.5^s (6/12), 0.67^s (6/9) and 1.0^s (6/6) respectively.

2. Before the commencement of the test, the candidate who is not a new entrant shall advise the examiner whether or not he intends to use artificial aids to form vision.

Such aids to form vision shall constitute of either spectacles or contact lenses. Tinted lenses shall not be permitted.

3. **Standard of vision required :**

- (a) Candidate will be tested in each eye separately;
- (b) A candidate, other than a new entrant, who attempts the sight test without the use of aids to form vision shall be required to read down to and including the seventh line with the better eye and down to and including the sixth line with the other eye;
- (c) A candidate other than a new entrant who attempts the sight test using aids to form vision shall be required:
 - (i) with aids to form vision, to read correctly down to and including the seventh line with the better eye and down to and including the sixth line with the other eye; and
 - (ii) without aids to form vision, to read correctly down to and including the fifth line with the better eye and down to and including the third line with the other eye;
- (d) A candidate who is a new entrant; i.e., a candidate who is going out to sea to serve in the deck department for the first time, shall be tested with each eye separately. He shall be required to read down to and including the seventh line with the better eye and to read down to and including the sixth line with the other eye. He shall also be required to read all letters in the seventh line with both the eyes. A new entrant shall not be permitted to use aids to form vision.

4. Method of testing :

- (a) The test card shall be mounted at a convenient height, and shall be properly illuminated. Daylight shall not be used. The testing room shall be moderately lighted so that extreme between the test card and background is avoided.
- (b) The candidate shall stand exactly 6 metres from the card facing it squarely. He shall then be required to read the letters on the sheet from left to right, beginning at the top and going downwards.
- (c) Care shall be taken by varying the order of the test sheets to guard against the possibility of any deception on the part of the candidate.

5. **Failure :** If the candidate fails to reach the standard required on the first sheet, he shall be tested with at least 4 sheets. If he fails to reach the standard in at least 3 of the 4 sheets the following alternatives may be explained to him :

- (a) He may break off the test and present himself for re-testing in not less than three months. In which case a certificate of failure shall be issued to him; or
- (b) If he is not a new entrant and has not used aids to form vision at his first attempt, he may present himself for re-testing any time with artificial aids to form vision; or
- (c) He may proceed to the lantern test. In this case, a record of all mistakes made in the letter test and all mistakes, if any, made in the lantern test shall be forwarded to the Chief Examiner, who shall decide whether the candidate has passed or failed in the sight test.

^s Values given in Snellen Decimal Notation.

PART II**6. Lantern test—Apparatus**

- (a) A special lantern and a mirror shall be provided for this test. The test is to be conducted in a room so darkened as to exclude all light.
 - (b) The lantern shall be placed directly in front of the mirror, so that the front part of the lantern shall be exactly 3.05 metres from the mirror, and in a such a position that the lights reflected in the mirror show clearly when viewed by the candidate on the left of the lantern.
7. (1) A candidate other than a new entrant who has used artificial aids to form vision in the letter test may continue to use such aids in the lantern test.
- (2) **Darkness adaptation :** If a candidate makes mistakes at the beginning of the lantern test, he shall be kept in a completely or partially darkened room for at least a quarter, of an hour, and shall then begin the test again.
- (3) **Method of testing :**
- (a) The lantern supplied for the test shall be so constructed as to allow 1 large or 2 small lights to be visible, and is fitted with 9 glasses of 3 colours red, white and green. At the beginning of the test the candidate shall be shown a series of lights through the large aperture, and he shall be required to name the colours as they appear. Care shall be taken in showing the fact that this light is not a pure white. If a candidate makes a mistake in calling this light "red", a proper red light shall be shown immediately after and this attention directed to the difference between the two.
 - (b) After a series of lights through the large aperture has been shown, 4 circuits and 1 broken circuit with the 2 small apertures shall be made with the candidate naming the colours of each set of 2 lights from left to right.

8. Passing or failure :

- (1) If a candidate does not make any mistake in the lantern test after passing the letter test, he shall be deemed to have passed the whole test and the examiner shall issue a certificate to that effect.
- (2) If, with either the large aperture of the lantern, a candidate mistakes red for green or green for red, he shall be considered to have failed in the lantern test.
- (3) If a candidate makes any other mistakes with the lantern i.e. if he calls white "red" or red "white" or confuses green and white, his case shall be submitted to the Chief Examiner, and he shall be informed that the decision as to whether he is passed or failed, or must undergo a further test, shall be communicated to him in due course. Pending the receipt of the Chief Examiner's instructions, a candidate shall only be allowed to proceed with his examination for a Certificate of Competency on the express understanding that this examination will be cancelled in the event of failure in the sight tests. In every such case the candidate shall be notified by the Examiner of his success or failure or that his case has been referred for special consideration.

9. Retesting of unsuccessful candidate :

A candidate who fails to pass the local lantern test shall not again be tested locally, unless the Chief Examiner directs that he may be so tested. The certificate issued to the candidate shall state whether or not he may be tested locally.

PART III**Special Examination & Appeals****10. Special Examination-Referred Cases :**

In the case of any candidate who is referred to the Chief Examiner under the provisions of sub-paragraph 11 (2), the Chief Examiner may make arrangements for a special examination. In any such case, no additional fee shall be charged for the special examination.

11. Appeals :

- (1) A candidate who is adjudged to have failed in the local lantern test may appeal for a review. In every such case, the Chief Examiner shall make arrangements for examination of the candidate by a special body of examiners.

- (2) Every such appellant shall pay an appropriate fee as prescribed in appendix I which shall be refunded to him if he is declared to have passed the appeal examination.

12. Examination Board

The special and appeal examinations shall be conducted by a Board consisting of Chief Examiner of Masters and Mates or his nominee and a specialist advisor on eye sight appointed by the Chief Examiner.

13. **Intimation regarding examination :** When any special or appeal examination by Board is arranged, the Chief Examiner shall give a sufficient advance notice of the date and time of such examination to the candidate.

14. Punctual attendance :

- (1) Every candidate shall acknowledge notice received by him from the Chief Examiner regarding date and time of special, or as the case may be, appeal examination. Any candidate who is unable to attend examination shall immediately inform the Chief Examiner of his inability and reasons therefor. If satisfied of such reasons, the Chief Examiner may alter the programme of examination and give notice to the candidate of revised time schedule of the examination.
- (2) If any candidate, being a candidate referred to Chief Examiner under paragraph 13, fails to appear for the examination at the appointed date and time, the Chief Examiner may defer his special examination by an indefinite period.
- (3) If any candidate, being an appellant under paragraph 14 fails to appear for the examination at the appointed date and time, the fee paid by him shall be forfeited. Arrangement for his examination by the Board on any other date may be made on his payment of a further fee under paragraph 11.

15. Failures

- (1) Where, on examination, any candidate appearing before the Board under sub-paragraph 10 or 11 is found to have a permanent defect in his eye sight which renders him unfit for a sea career, such candidate shall be finally rejected and may not be permitted to appear for sight test on any occasion in future.

Provided that any candidate declared failed at the examination by Board may apply for re-examination by the Board under provisions of sub-paragraph 16 in the presence of an ophthalmic surgeon appearing in his behalf.

- (2) Any candidate who fails in the examination but is not finally rejected by reason of being found to be free from any permanent eye defect, may, at his choice appear before the Board for examination as an appellant under sub-paragraph 11 after a lapse of three months from the date of examination or seek re-examination under paragraph 16, in either case, on payment of appropriate fees.

16. Re-examination

Any candidate seeking re-examination by the Board shall pay an appropriate fee as prescribed in Appendix I. This fee shall not be refundable whether the candidate is finally adjudged passed or failed.

NOTE : All candidates who have passed the sight tests with artificial aids, are advised to use such aids when on watch-keeping duties at sea and in port and to carry a spare pair of properly corrected spectacles at all times for use in emergency.

17. The format of the application form for sight test, Form EST and the format of a sight test certificate, Form STC, are given on pages 18 and 20, respectively.

18. HEIGHT and WEIGHT

The minimum requirements in respect of new entrants are :

Height 157 cm. (5'2")

Weight 48 kg. (105 lbs.)

Weight to be proportionate to height and age, □10% acceptable. Average values are enclosed herewith. In case of Lakshadweep, Amindivi, the Andamans and Nicobar Islands, Gorkhas, Nepalese, Assamese and other hilly areas, including those from Nagaland, Mizoram, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Manipur, Tripura, Garhwal, Sikkim, the candidate's height may be reduced by 5 cm. (2") and proportionately the minimum weight should be 45 kg. (100 lbs.)

HEIGHT and WEIGHT OF ADULTS (AVERAGE)

	Height (without shoes)			Average weight in pounds and kilograms (in indoor clothing)													
				17-19 yrs.		20-24 yrs.		25-29 yrs.		30-39 yrs.		40-49 yrs.		50-59 yrs.		60-69 yrs.	
	ft.	ins.	cm.	lb.	kg.	lb.	kg.	lb.	kg.	lb.	kg.	lb.	kg.	lb.	kg.	lb.	kg.
M E N	5	1	155	119	54	128	58.1	134	60.8	137	62.1	140	63.5	142	64.6	139	63
	5	2	157.5	123	55.8	132	59.9	138	62.6	141	64	144	65.3	145	65.6	142	64.4
	5	3	160	127	57.6	136	61.7	141	64	145	65.8	148	67.1	149	67.6	146	66.2
	5	4	162.6	131	59.4	139	63	144	65.3	149	67.6	152	68.9	153	69.4	150	68
	5	5	165.1	135	61.2	142	64.4	148	67.1	153	69.4	156	70.8	157	71.2	154	69.9
	5	6	167.6	139	63	145	65.8	151	68.5	157	71.2	161	73	162	73.5	159	72.1
	5	7	170.2	143	64.9	149	67.6	155	70.3	161	73	165	74.8	168	75.3	163	73.0
	5	8	172.7	147	66.7	153	69.4	159	72.1	165	74.8	169	76.7	170	77.1	168	76.2
	5	9	175.3	151	68.5	157	71.2	163	73.9	170	77.1	174	78.9	175	79.4	173	78.5
	5	10	177.8	155	70.3	161	73	167	75.8	174	78.9	178	80.8	180	81.6	178	80.8
	5	11	180.3	160	72.6	166	75.3	172	78	179	81.2	183	83	185	83.9	183	83
	6	0	182.9	164	74.4	170	77.1	177	80.3	183	83	187	84.8	189	85.7	188	85.3
	6	1	185.4	168	76.2	174	78.9	182	82.6	188	85.3	192	87.1	194	88	193	87.5
	6	2	188	172	78	178	80.0	186	84.4	193	87.5	197	89.4	199	90.3	198	89.8
	6	3	190.5	176	79.8	181	82.5	190	86.2	199	90.3	203	92.1	205	93	204	92.5
W O M E N	4	10	147.3	102	46.3	105	47.6	110	49.9	117	53.1	124	56.2	127	57.6	129	58.5
	4	11	149.9	105	47.6	108	49	113	51.3	120	54.4	127	57.6	130	59	131	59.4
	5	0	152.4	109	49.4	112	50.8	116	52.6	123	55.8	130	59	133	60.3	134	60.8
	5	1	154.9	113	51.3	115	52.2	119	54	126	57.2	133	60.3	136	61.7	137	62.1
	5	2	157.5	116	52.6	118	53.5	122	55.3	129	58.5	136	61.7	140	63.5	141	64
	5	3	160	120	54.4	121	54.9	125	56.7	132	59.9	140	63.5	144	65.3	145	65.8
	5	4	162.6	124	56.2	125	56.7	129	58.5	135	61.2	143	64.9	148	67.1	149	67.6
	5	5	165.1	127	57.6	129	58.5	133	60.3	139	63	147	66.7	152	68.9	153	69.4
	5	6	167.6	130	59	132	59.9	136	61.7	142	64.4	151	68.5	156	70.8	157	71.2
	5	7	170.2	134	60.8	136	61.7	140	63.5	146	66.2	155	70.3	160	72.6	161	73
	5	8	172.7	138	62.6	140	63.5	144	65.3	150	68	159	72.1	164	74.4	165	74.8
	5	9	175.3	142	64.4	144	65.3	148	67.1	154	69.9	164	74.4	169	76.7	-	-
	5	10	177.8	147	66.7	149	67.6	153	69.4	159	72.5	169	76.7	174	78.9	-	-
	5	11	180.3	152	68.9	154	69.9	158	71.7	164	74.4	174	78.9	180	81.6	-	-

[भाग II—खण्ड 3(i)]

भारत का राजपत्र : असाधारण

IDEAL BODY WEIGHT CHART

HEIGHT (M)	WOMEN		MEN	
	Acceptable range	Obese	Acceptable range	Obese
1.45	42-53	64		
1.48	42-54	65		
1.50	43-55	66		
1.52	44-57	68		
1.54	44-58	70		
1.56	45-58	70		
1.58	46-59	71	51-64	77
1.60	48-61	73	52-65	78
1.62	49-62	74	53-66	79
1.64	50-64	77	54-67	80
1.66	51-65	78	55-69	83
1.68	52-66	79	56-71	85
1.70	53-67	80	58-73	88
1.72	55-69	83	59-74	89
1.74	56-70	84	60-75	90
1.76	58-72	86	62-77	92
1.78	59-74	89	64-79	95
1.80			65-80	96
1.82			66-82	98
1.84			67-84	101
1.86			69-86	102
1.88			71-88	106
1.90			73-90	108
1.92			75-93	112

Height without shoes : weight in indoor clothing

From the recommendations of the Fogarty Center Conference on Obesity 1973 (Bray 1979) & based on the original Metropolitan Life Insurance Tables (1959).

ANNEXURE 'C'**Form EST**Rotation No.
(Official use Only)**APPLICATION FOR SIGHT TEST**

(A)	(1)	Place of Examination	_____
	(2)	(a) Surname	_____
			(Block Letters)
		(b) Full Name	_____
			(As on records-Block Letters)
	(3)	Permanent address :	_____

	(4)	Discharge Book No. (if any)	_____
	(5)	Nationality	_____
	(6)	Date of Birth	_____
	(7)	Place of Birth	_____
	(8)	Height (cms.)	_____
	(9)	Colour of Eyes	_____
			Hair _____
	(10)	Complexion	_____
	(11)	Personal Marks	_____
	(12)	Rank (if serving at sea)	_____
	(13)	If about to go to sea	_____
		(a) Name of the Company	_____
		(b) Capacity	_____
	(14)	(a) Date of previous eye-sight test	_____
		(b) Results : Passed/Failed.	_____

Declaration of candidate :

"I hereby declare that the particulars stated above are correct and true to the best of my knowledge and belief. I further declare that except as stated in Column 14, I was not examined in an eye-sight test held in any Mercantile Marine Department. I wear/do not wear aids to vision".

Signature of Candidate

The above declaration was
signed in presence of

Examiner of Masters & Mates
Mercantile Marine Department
..... District.

(B) A fee of Rs. was received for examination in Sight Test.

Date : Signature

Place :

(C) **Examiner's Certificate**

I hereby certify that the candidate described above was examined in Sight Test under the provisions of Appendix 'G' of the Merchant Shipping (Examination of Masters & Mates) Rules.

The result* of the test were as follows :

	With or without aids to vision	Form	Colour	Results
Standard				
New Entry				
<input type="checkbox"/> 1) He may be examined at any time with aids to vision. 2) He may be examined after a lapse of one month. 3) He may not be re-examined again without prior approval of the Chief Examiner.				

Note : If failed or to be referred for further advice, one copy of this application form shall be forwarded to the Chief Examiner with a detailed report.

☐ Delete if not applicable

* Where not examined indicate by stating N.F

Minimum in-service eyesight standards

STCW Convention Regulation	Category of seafarer	Distance vision		Near/immediate vision	Colour vision	Visual fields	Night blindness	Diplopia (double vision)
		one eye	other eye	Both eyes together Aided or Unaided				
I/11 II/1 II/2 II/3 II/4	Masters, deck officers and ratings required to undertake lookout duties Aided : Unaided :	0.5 (6/12) 0.1 (6/60)	0.5 (6/12) 0.1 (6/60)	Vision required for ships' navigation (e.g. chart and nautical publication reference, use of bridge instrumentation and equipment, and identification of aids to navigation)		Normal visual fields	Vision required to perform all necessary functions in darkness without compromise	No significant condition evident
I/11 III/1 III/2 III/3 III/4	All engineer officers and ratings forming part of an engine-room watch Aided : Unaided :	0.4 (6/15) 0.1 (6/60)	0.4 (6/15) 0.1 (6/60)	Vision required to read instruments in close proximity, to operate equipment, and to identify systems/components as necessary		Sufficient visual fields	Vision required to perform all necessary functions in darkness without compromise	No significant condition evident

* Note : Values given in Snellen decimal notation.

□ Note : A value of at least 0.7 (6/9) in one eye is recommended to reduce the risk of undetected underlying eye disease

STCW Convention Regulation	Category of seafarer	Distance vision		Near/immediate vision	Colour vision	Visual fields	Night blindness	Diplopia (double vision)
		one eye	other eye	Both eyes together Aided or Unaided				
I/11 IV/2	Radio officers and electrical/ electronic officers			Vision required to read instruments in close proximity, to operate equipment, and to identify systems/components as necessary		Sufficient visual fields	Vision required to perform all necessary functions in darkness without compromise	No significant condition evident
	Aided :	0.4 (6/15)	0.4 (6/15)					
	Unaided :	0.1 (6/60)	0.1 (6/60)					

* Note : Values given in Snellen decimal notation

ANNEXURE - 'D'

Form STC

Rotation No.

SIGHT TEST CERTIFICATE

Full Name _____

Date of Birth _____ Place of Birth _____

Rank _____ Height (cms.) _____

Colour of Eyes _____ Hair _____

Complexion _____ Personal Marks _____

I hereby certify that the result of examination is as follows* :

	Aids to vision	Form	Colour	Results
Standard	<input type="checkbox"/> With/Without			
New Entry	Without			

- ☐ 1) He may be examined at any time with aids to vision.
- 2) He may be examined after a lapse of one month.
- 3) He may not be re-examined again without prior approval of the Chief Examiner.

Dated at _____ this day _____ 19 _____

Examiner's Signature _____ District _____

Candidate's Signature _____

Note : * Where not examined indicate by stating N.E.

☐ Delete if not applicable.

This certificate is valid for six months from the above date.

19067/2000-7

Annexure 'E'

CONFIDENTIAL

Form : Mex

Medical Examination of Seafarers

Report of Medical Examination by an approved Medical Practitioner

PERSONAL DETAILS

Name

(Surname, First Name and middle initial)

Date of birth

day	month	year

Nationality

Male

☐

Female

☐

Rank/Rating/Occupation

Present type of ship and routes

No. of Discharge Book, Passport, identity card)

Office address

Previous Medical History
Does the seafarer have a medical history of one of the following :

	Yes	No	Amount below, if positive
Hypertension	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Eye trouble/ glasses/contact lenses	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Stomach/ bowel disorder	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
ENT	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Hearing impaired	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Skin disease	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Heart condition	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Rheumatic fever	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Asthma/ bronchitis	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Hay fever/allergies	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Enterovirus	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Nervous/mental illness	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Jaundice/liver disease	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Genito/urinary disorders	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Back injury/pain	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Hernia	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Diabetes	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Infectious/contagious/ tropical diseases	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Malignant diseases	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Migraine/severe headaches	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Head injury/ concussion	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Fractures/dislocations	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Varicose veins/ haemorrhoids	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Female disorders	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Tobacco use (quantity)	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Alcohol intake (quantity)	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
Other illnesses	<div style="border: 1px solid black; height: 20px; width: 100%;"></div>		
Operations			

Medical ExaminationDoes the seafarer suffer from any other abnormalities ? *Please tick correct box and expand as necessary.*

	Yes	No
Teeth	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
ENT	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
Skin	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
Heart	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
Lungs	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
Nervous System	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
Varicose Veins	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
Genito urinary system	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
Hernia	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
Any other defects	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

PHYSICAL EXAMINATION

Height _____ cm Weight _____ kg Pulse rate _____ Blood pressure syst. _____ diast. _____
(mm Hg)

Notes:

LABORATORY Urine test: Albumin _____ Blood Hb _____ RBC _____ WBC _____
Sugar _____ Sedimentation rate: _____

ECG

Chest X-Ray

HEARING Normal Left ear _____ m Whispered Left ear _____ m
Right ear _____ m voice Right ear _____ m

Audiogram	Left ear	kHz	500	1000	2000	3000
		dB				
	Right ear	kHz	500	1000	2000	3000
		dB				

EYE TESTDistant vision
(expressed in
decimal)

Unaided

Left
Right

Aided

Left
RightBoth
eyesAided
Unaided

Colour vision

Ishihara
plates

Normal

Abnormal

Other
method
(name)

Normal

Abnormal

Not
tested**RESULTS OF THE MEDICAL EXAMINATION**

(tick correct box)

The international fitness for sea service standards

☐have been
met☐not
met

Assessment: FIT FOR DUTY

☐NOT FIT
FOR DUTY☐☐

permanently

☐

temporary

Shout be re-examined
in _____ days/weeks/monthsRecommended tests, consultations,
Rehabilitation etc.:

Doctor's official stamp

Doctor's signature

Medical Certificate for Service at Sea

(Seafarer's last name, First name and middle initial) (printed or typed)

(discharge book, passport or number of other valid identity document, and type of document)

has been examined by _____
(Name of medical examiner)

and has been found fit for service at sea in the job of: _____

His/her colour vision has ☐ been checked ☐ has not been checked.

He/she was found ☐ fit for look-out duty ☐ not fit for look-out duty

(date and place (city and country) of examination)

(signature of the medical examiner)

(serial number of the certificate)

This certificate expires on _____
(day, month, year)

Official stamp:

19. Thyroid Problem _____
20. Kidney Problem/Stone in Bladder _____
21. Hernia/Urinary Disorder _____
22. Genitus/Urinary Disorder _____
23. Pregnancy/Female Disorders _____
24. Sleep Problems _____
25. Nervous/Mental Illness _____
26. Loss of Memory _____
27. Psychiatric Problems _____
28. Depression _____
29. Vericose Veins/Piles _____
30. Back Injury/Problem/Slip Disc _____
31. Fractures/Dislocations _____
32. Restricted Mobility (any part) _____
33. Amputation (any) _____
34. Smoking/Tobacco Quantity (intake) _____
35. Alcohol Intake Quantity _____
- (y) If there is 'Yes' to any of the questions please elaborate in detail—when and where treatment followed? Duration? Particulars of Doctor who treated. (For additional space use extra sheet).
36. Are you suffering from any malignancy ? _____
37. Have you ever been signed off as sick or repatriated from ship prematurely ? _____
38. Have you ever been hospitalised (any where) ? _____
39. Have you ever been declared unfit for sea service ? _____
40. Has your medical certificate ever been restricted or revoked ? _____
41. Are you aware that you have any medical problem, disease or illness ? _____
42. Do you feel healthy and fit to perform the duties of your designated position/occupation ? _____
43. Are you allergic to any medication ? _____
- (y) If yes to any of the above question please elaborate with details as to (y) above ? _____
44. Are you taking any non-prescription medication ?
If yes, please elaborate the dosage and purpose with details as at (y) above ?

I hereby certify that the personal declaration hereabove is a true statement to the best of my knowledge.

Full Name (Block Letter)

Signature

Date :

Place :

Time

I hereby authorise the release of all my previous medical records from any health professional, health institution and public authorities who may have dealt with my case to

Dr. _____ (the approved medical examiner of the Company)

Full Name :

Signature

Passport/CDC No.

Date

Time

Place

